वर्ष -15 अंक-19 प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित अनूपपुर 11 से 17 मई 2023 मूल्य 2.00 पृष्ठ 8 Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी- SDL-0019/2025 RNI-MPHIN/2008/24599

फ़तवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार पत्र — आपका विश्वास

सुविचार

आप में कितनी भी प्रतिभा क्यों न हो, प्रयास और अभ्यास के बिना सब व्यर्थ है ।

पेज-2

पेज-3

पेज-5

पेज-8

11 लाख से अधिक डिफॉल्टर किसानों का 2 हजार 123 करोड़ रुपए का ब्याज माफ

खण्डवा, छतरपुर और देवास में नवीन अनुविभाग का सृजन

मुख्यमंत्री चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

राज्य सरकार प्रदेश के 11 लाख 19 हजार किसानों का 2 लाख रुपए तक के कर्ज का बकाया 2123 करोड़ रुपए का ब्याज माफ करेगी। इस संबंध में मंगलवार को कैबिनेट ने ब्याज माफी योजना को मंजूरी दे दी। ब्याज की बकाया माफी के लिए पात्र किसान 31 मार्च 2023 तक के होंगे, लेकिन वे योजना का लाभ लेने के लिए 30 नवंबर 2023 तक आवेदन जमा कर सकेंगे। दो लाख रुपए तक के कर्जदार जिन डिफॉल्टर किसानों का बकाया ब्याज माफ होना है, वे जिला सहकारी बैंकों से संबद्ध प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के ब्याज समेत 5479 करोड़ रुपए के कर्जदार हैं। सरकार द्वारा इन किसानों के इस कर्ज का ब्याज बैंकों में भर दिया जाएगा तो ये डिफॉल्टर श्रेणी से बाहर हो जाएंगे। सहकारी समितियों से खाद, बीज ले सकेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि जो किसान ऋण माफी के चक्कर में डिफॉल्टर हो गए हैं उनके ब्याज की राशि सरकार द्वारा भरी जाएगी। इसी के अनुरूप सीएम की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में ब्याज माफी योजना को मंजूरी दी गई। इसमें खास यह भी है कि 11 लाख 19 हजार डिफॉल्टर किसानों में से 4 लाख 40 हजार किसान वे हैं जिन्होंने कर्जमाफी के लिए तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 2019 में आवेदन तो किया था लेकिन जिनके कर्ज माफ नहीं हुए थे और वे डिफॉल्टर हो गए थे। बकाया ब्याज माफी योजना के अनुसार किसान पर अल्प अवधि का फसल ऋण एवं मध्यम परिवर्तित ऋण को ब्याज सहित मिलाकर 2 लाख रुपए तक का कर्ज 31 मार्च 2023 तक बकाया होना चाहिए। डिफॉल्टर किसानों की सूची 12 मई को प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में उनके ऊपर बकाया कर्ज एवं ब्याज की जानकारी को बैंक स्तर पर एक पोर्टल पर सार्वजनिक किया जाएगा। 13 से 15 मई तक किसानों से आवेदन मंगाए जाएंगे। 16,17 और 18 मई को उनका निराकरण कर ब्याज माफी की राशि बैकों में जमा कराए जान की प्रक्रिया शुरू होगी।

समर्थन मूल्य पर 20 मई तक हो सकेगी गेहूं की खरीदी

मप्र में असामयिक हुई बरसात की वजह से समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने से बचे किसान अब 20 मई तक गेहूं बेच सकेंगे। रबी सीजन में वर्ष 2023-24 के दौरान भोपाल, नर्मदापुरम, इंदौर एवं उज्जैन संभाग में गेहूं खरीदी की तारीख 12 मई बाकी संभागों में 15 मई तक तय की गई थी, जिसे बढ़ाकर 20 मई कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में मोचा चक्रवात की चेतावनी

मुंबई एजेंसी। इस साल चारों तरफ बेमौसम बारिश भी खूब हो रही है। अप्रैल के बाद मई के महीने में भी बेमौसम बारिश की भविष्यवाणी की गई है। दरअसल मोचा चक्रवात पश्चिम बंगाल में सक्रिय होता जा रहा है। इसके मद्देनजर मौसम विभाग ने महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों में अलर्ट जारी किया है.

यह साल का पहला तूफान है। महाराष्ट्र के विदर्भ, मराठवाड़ा में तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है। लगातार बारिश से अब तक तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है।

तूफान का मोचा नाम कैसे पड़ा?

एशियाई देश यमन ने इस तूफान का नाम मोचा रखा है। मोचा यमन के एक शहर का नाम है। इस शहर को मोखा के नाम से भी जाना जाता है। यह शहर अपने कॉफी व्यापार के लिए प्रसिद्ध है। इसके लिए मोचा कॉफी मशहूर है। यूनाइटेड नेशंस इकोनॉमिक एंड सोशल कमीशन फॉर एशिया एंड द पैसिफिक पैनल के 13 देशों में किसी भी साइक्लोन का नाम होता है। इसमें भारत, बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान, मालदीव, ओमान, श्रीलंका, थाईलैंड, ईरान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यमन शामिल हैं। चक्रवात के नाम वर्णानुक्रम में सुझाए गए हैं। जैसा कि बांग्लादेश में, चक्रवात का नाम बी से शुरू होता है।

पीटीआई का दावा उन्हें मारने की कोशिश हो रही

पूर्व पीएम इमरान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से गिरफ्तार

पाकिस्तान में हालात तनावपूर्ण

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार हो गए हैं। मंगलवार को इमरान उस समय गिरफ्तार किया जब वह इस्लामाबाद हाईकोर्ट में अपने बायोमैट्रिक वेरीफिकेशन के लिए जा रहे थे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता मुसर्रत चीमा ने दावा किया है कि इमरान को टॉर्चर किया जा रहा है। पार्टी की ओर से उन्हें मारे जाने और उनके बुरी तरह से घायल होने की बातें कही जा रही हैं। इमरान की गिरफ्तारी उनकी उस लाहौर रैली के बाद हुई है जिसमें उन्होंने सेना पर गंभीर आरोप लगाए थे। इमरान ने अपनी रैली में पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो पर निशाना साधा था।

गिरफ्तारी कादिर ट्रस्ट केस में हुई

पुलिस की तरफ से ट्वीट

वहीं इस्लामाबाद पुलिस की तरफ से ट्वीट कर बताया कि इमरान की गिरफ्तारी कादिर ट्रस्ट केस में हुई है। पीटीआई के उपाध्यक्ष फवाद चौधरी ने ट्वीट कर कहा कि हाईकोर्ट इस समय रेंजर्स के कब्जे में है और वकीलों को टॉर्चर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इमरान की कार को भी घेर लिया गया था। पीटीआई के एक और नेता अजहर मशवानी ने आरोप लगाया है कि इमरान को कोर्ट के बाहर रेंजर्स ने किडनैप कर लिया है। मशवानी के मुताबिक पार्टी ने देशभर में अपने समर्थकों को इकट्ठा होने के लिए कहा है। गिरफ्तारी से ठीक पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी ने इमरान खान के सेना पर लगाए गए गंभीर आरोपों की निंदा की है।

खरगोन में 50 फीट ऊंचे पुल की रेलिंग तोड़ी

बस नदी में गिरी: सात बच्चों समेत 24 यात्रियों की मौत

सीएम बोले- ड्राइवर को झपकी आई होगी

मृतकों में 7 बच्चे, 8 महिलाएं और 9 पुरुष

भोपाल/खरगोन/नगर प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश के खरगोन में मंगलवार सुबह एक निजी बस 50 फीट ऊंचे पुल से गिर गई। हादसे में 24 यात्रियों की मौत हो गई। इनमें 7 बच्चे, 8 महिलाएं और 9 पुरुष हैं। बस डोंगरगांव और दसंगा के बीच बोराड़ नदी के पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे जा गिरी। नदी सूखी हुई थी। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। 30 से अधिक घायलों का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

7 घायलों को इंदौर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने खरगोन आरटीओ बरखा गौड़ को सस्पेंड कर दिया है। डोंगरगांव के रहने वाले राज पाटीदार ने बताया, मां शारदा ट्रैवल्स की इस बस में 50 से 60 लोग सवार थे।

हादसा साढ़े 8 से 9 बजे के बीच हुआ। पुलिस-प्रशासन से पहले डोंगरगांव और लोनारा के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। हमने बस के कांच तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। घायलों को अपनी गाड़ियों से अस्पताल पहुंचाया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव से 5 मिनट पहले ही बस निकली थी।

परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बस का रजिस्ट्रेशन और फिटनेस सर्टीफिकेट निरस्त कर दिया है। इसके साथ ही एक और आदेश जारी किया है कि लंबी दूरी की बसों में दो ड्राइवर अनिवार्य रहेंगे।

आरटीओ बरखा गौड़ निलंबित

प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने हादसे में 24 लोगों की जान जाने की पुष्टि की है। वे हादसे में घायल लोगों का हाल जानने के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों और उनके परिजन से मुलाकात के बाद उचित उपचार का आश्वासन दिया। यहां मीडिया से चर्चा के दौरान मंत्री ने कहा कि इस हादसे में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आरटीओ बरखा गौड़ को निलंबित करने का आदेश भी जारी किया। साथ ही बसों में हो रही ओवर लोडिंग पर कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर और एसपी को दिए।

कब-क्या हुआ

- बस बेजापुर से इंदौर के लिए सुबह 6.30 बजे रवाना हुई। इसे 11.30 बजे इंदौर पहुंचना था।
- 50-60 यात्रियों को लेकर बस सुबह 8.30 बजे ग्राम डोंगरगांव और दसंगा पहुंची।
- बस सुबह 8.30 से 9.00 बजे के बीच पुल की रेलिंग तोड़कर नदी में गिर गई।
- डोंगरगांव और लोनारा के ग्रामीण पुलिस से पहले मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बस के कांच तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला।
- सुबह 9 बजे से घायलों का जिला अस्पताल पहुंचना शुरू हो गया।

पीएम बोले- प्रशासन मदद में जुटा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी खरगोन हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा, हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन लोगों ने अपने प्रियजन को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक संवेदनाएं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन मौके पर हरसंभव मदद में जुटा है। आईजी राकेश गुप्ता ने बताया कि बस खरगोन के बेजापुर से इंदौर की ओर जा रही थी। रफ्तार तेज होने के कारण अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए पुल से नीचे जा गिरी। बस में 50 से अधिक यात्री थे। नदी सूखी होने के कारण अधिकतर यात्रियों को चोटें लगी हैं। 15 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया। मध्यप्रदेश सरकार ने खरगोन बस दुर्घटना में मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपए और मामूली रूप से घायलों को 25-25 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने ट्वीट कर घटना पर शोक जताया।

कमलनाथ बोले- घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं: पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर शोक जताया है। उन्होंने लिखा- ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है। राहत और बचाव दल को अपने अभियान में शीघ्र सफलता मिले, ऐसी प्रार्थना है।

एनसीपी नेता के विवादित बोल, कहा- द केरल स्टोरी निर्माता को सरेआम फांसी दी जाए

मुंबई एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने मंगलवार को हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द केरल स्टोरी' के निर्माता पर निशाना साधा है। आव्हाण ने कहा कि निर्माता को सरेआम फांसी दे देनी जाहिए। एनसीपी नेता ने कहा कि 'केरल स्टोरी के नाम पर एक राज्य और उसकी महिलाओं को बदनाम किया गया। तीन के आधिकारिक आंकड़े को बढ़ा-चढ़ाकर 32,000 के रूप में दिखाया गया। इस काल्पनिक फिल्म को बनाने वाले को सार्वजनिक रूप से फांसी दी जानी चाहिए। आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट के लड़कियों की

भर्ती के तरीकों को दिखाने वाली सुदीप्तो सेन के निर्देशित में बनी फिल्म ने देश भर में बड़े पैमाने पर राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। फिल्म को बीजेपी शासित राज्यों मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के साथ भारतीय जनता पार्टी का समर्थन मिला है। जिन्होंने फिल्म को टैक्स फ्री घोषित किया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेल्लारी में एक रैली में फिल्म का उल्लेख करते हुए कहा था कि इसने समाज में आतंकवाद के नतीजों को उजागर किया है। दूसरी ओर बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने बेंगलुरू में एक विशेष स्क्रीनिंग में फिल्म देखी थी।

हालांकि, पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में 'नफरत और हिंसा से बचने' के लिए फिल्म पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे राज्य में टीएमसी-बीजेपी की लड़ाई तेज हो गई है। वहीं सुप्रीम कोर्ट 15 मई को केरल हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

कूनो में आपसी संघर्ष में चीता ने गवाई जान

श्योपुर नप्र। श्योपुर कूनो नेशनल पार्क में अफ्रीका से लाए गए एक और चीते की मौत हो गई है।आपसी संघर्ष में मादा चीता धीरा ने दम तोड़ दिया। अफ्रीका से आए मादा चीता धीरा का कूनो राष्ट्रीय उद्यान के अंदर एक अन्य चीता से लड़ाई हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक नर चीता फिंडा, वायु और अग्नि से मादा चीता दक्षा और धीरा की भिड़ंत हुई थी। इसी में धीरा की मौत हो गई। दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए ये तीसरे चीते

की मौत है।सबसे पहले मादा चीता शासा की मौत हुई थी। शासा की मौत स्वास्थ्य में गड़बड़ी के कारण हुई थी। उसके बाद उदय नाम के चीते की मौत हो गई थी हार्ट अटैक के कारण हुई थी। बता दें कि नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से कूनो नेशनल पार्क में 20 चीते लाए गए थे जिसमें अब 17 बचे हैं। अप्रैल महीने में क्वारंटाइन पीरियड पूरा होने के बाद अफ्रीकी चीतों को बड़े बाड़े से खुले जंगल में रिलीज कर दिया गया था।

मंडला-दमोह में बूंदाबांदी, रीवा-बालाघाट में बारिश के आसार

जबलपुर में तेज बारिश, ओले गिरे; दो दिन बाद फिर नया सिस्टम

भोपाल नप्र। मध्यप्रदेश में बेमौसम बारिश का दौर जारी है। मंगलवार शाम को जबलपुर में तेज बारिश हुई। साथ ही ओले भी गिरे। दमोह और मंडला में बूंदाबांदी हुई है। छिंदवाड़ा में बादल छाए रहे। शाम को तेज हवाएं भी चलीं। पूरे मार्च और अप्रैल के महीने में प्रदेशभर में बेमौसम बारिश हुई।

एमपी में मार्च-अप्रैल की तरह मई की शुरुआत भी आंधी-बारिश से होगी। 27 अप्रैल से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इससे बादल छाए रहेंगे, आंधी चलेगी और बारिश भी होगी। इसका असर 4

मई तक रह सकता है। दूसरी ओर, कई शहरों में दिन के तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली। नरसिंहपुर में सबसे ज्यादा तापमान 41 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं, खरगोन, खंडवा और रतलाम में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा रहा। भोपाल में तापमान 37.3, इंदौर में 37.3, ग्वालियर में 34.6 और जबलपुर में 36 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे कम टेंप्रेचर पचमढ़ी में 30.2 डिग्री रहा।

मौसम विभाग ने रात में सिंगरौली, कटनी, सीधी, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, रीवा, बालाघाट, सतना, दमोह, डिंडोरी, शहडोल, अनूपपुर, मंडला, उमरिया, जबलपुर, सिवनी, श्योपुरकलां, सागर और बैतूल में आंधी और बारिश की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि प्रदेश में 25 और 26 अप्रैल को गर्मी का असर बढ़ जाएगा। रीवा संभाग के जिले रीवा, सतना, सीधी और सिंगरौली में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, टीकमगढ़, निवाड़ी और छतरपुर में भी मौसम बदला हुआ रहेगा। इससे पहले सोमवार को प्रदेश में मौसम सामान्य रहा था। दिन में सतना, जबलपुर और मंडला में हल्की बूंदाबांदी हुई, तो शाम को रीवा में तेज बारिश हो गई।

27 अप्रैल से नए सिस्टम की एक्टिविटी

मौसम वैज्ञानिक पांडे ने बताया कि दो दिन बाद यानी, 27 अप्रैल को उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) एक्टिव हो रहा है। इसका मध्यप्रदेश में 27 से 30 अप्रैल और 1 से 4 मई तक असर देखने को मिलेगा। प्रदेशभर में बादलों का दौर रहेगा। वहीं, चमक-गरज के साथ बारिश होगी। आकाशीय बिजली चमकने या गिरने की संभावना रहेगी।

भोपाल में ऐसा रहेगा मौसम

भोपाल में अगले चार दिन मौसम का मिजाज बदला रहेगा। 25 अप्रैल को कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। 26, 27 और 28 अप्रैल को तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। इससे दिन के तापमान में गिरावट होगी। वहीं, रात में भी गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार दिन में पारा 36 डिग्री और रात में 20 डिग्री के आसपास तापमान रहने का अनुमान है।

मुरैना गोलीकांड के आरोपियों का शॉर्ट एनकाउंटर, पकड़ाए

मुरैना। मुरैना के लेपा गांव में 6 लोगों की गोली मारकर हत्या करने वाले दोनों मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के समय पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस को गोली चलानी पड़ी। आरोपी अजीत के पैर में गोली लगी है। आरोपी भूपेंद्र के सिर में मामूली चोट आई है। अजीत सिंह को पुलिस ने इलाज के लिए मुरैना रेफर किया है। मुठभेड़ मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुई। इस हत्याकांड में पुलिस ने शुरुआत में 9 को आरोपी बनाया था।

संपादकीय

फीकी चमक

दुनिया के ज्यादातर देश पिछले कुछ समय से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर कई तरह की अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में अगर भारत में सोने के आयात के मामले में भी गिरावट देखी जा रही है तो यह स्वाभाविक ही है। मगर चूंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में सोने की अहमियत जगजाहिर है, इसलिए निश्चित रूप से इस गिरावट को एक चिंता के तौर पर ही देखा जाएगा। हालांकि मौजूदा समय में दुनिया के ज्यादातर देशों में आर्थिक गतिविधियों में मुद्रा और लेनदेन के स्वरूप में जिस तेजी से बदलाव आ रहा है, उसके मद्देनजर सोने की ओर आकर्षण लाजिमी है। लेकिन सवाल है कि आखिर सोने की खरीद के लिए हर स्तर पर जरूरी कारक या आर्थिक मजबूती को सुनिश्चित किए बिना अर्थव्यवस्था को उड़ान कैसे मिलेगी। वाणिज्य मंत्रालय ने जो ताजा आंकड़ा जारी किया है, उसके मुताबिक, वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण भारत में सोने के आयात में 2022-23 में 24.15 फीसद की गिरावट आई और यह घट कर पैंतीस अरब डालर रह गया है। इसमें ऊंचे आयात शुल्क की भी खासी भूमिका मानी जा रही है। भारत में पिछले वित्त वर्ष यानी 2021-22 में ह्यपीली धातुह्ण यानी सोने का आयात 46.2 अरब डालर रहा था। यह माना जाता है कि सोने के आयात से देश के चालू खाते के घाटे को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि इस बार सोने के आयात में भारी गिरावट के बावजूद देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद नहीं मिली है। आयात और निर्यात के अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है। वित्त वर्ष 2022-23 में व्यापार घाटा दो सौ सड़सठ अरब डालर रहने का अनुमान है। यह व्यापार घाटा इससे पिछले वित्त वर्ष में करीब एक सौ इक्यानबे अरब डालर रहा था। जाहिर है, सोने से जुड़े अर्थ-तंत्र में कई पहलू एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और इसकी खरीदारी के मामले में जो तस्वीर बनती है, उसका असर दूसरे क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को सोने के सबसे बड़े बाजार के तौर पर देखा जाता रहा है। सोने के आयात के जरिए देश के आभूषण उद्योग की मांग को भी पूरा किया जाता है। अगर मात्रा के लिहाज से देखें तो भारत सालाना करीब आठ सौ से नौ टन सोने का आयात करता है। पिछले कुछ दशकों के दौरान जैसे-जैसे समृद्धि में बढ़ोतरी हुई है, उसी मुताबिक सोने की मांग में भी इजाफा हुआ है। लेकिन पिछले दो-तीन साल में महामारी और पूर्णबंदी जैसे हालात की वजह से अर्थव्यवस्था को जो झटका लगा, उसमें लोगों की आय और क्रयशक्ति पर इसका सीधा असर पड़ा। फिर शादी जैसे समारोह टलने जैसी कुछ वजहों से सोने में निवेश पर नकारात्मक असर पड़ा है।

कांग्रेस का हीरो टीपू हिन्दुओं के नरसंहार का सुल्तान था

लेखक
डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैसे तो टीपू के अत्याचार की लिस्ट बहुत लम्बी है। वह अपने राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में सबसे अधिक हिन्दुओं को प्रताड़ित करता, उनका नरसंहार करता और उन्हें भय दिखाकर तलवार के बल पर इस्लाम में लेकर आता था। कोई पूछ सकता है कि आप कैसे उस टीपू पर आरोप लगा सकते हैं जोकि अंग्रेजों से लड़ा था। उनके लिए आज मौजूद टीपू के लिखे तमाम पत्र हैं जिनमें उसने स्वयं बताया है कि कैसे-कैसे जिहाद के रास्ते पर चलकर उसने लाखों हिन्दुओं का कत्लेआम किया और लाखों को इस्लाम में आने के लिए इतना मजबूर कर दिया कि उनके सामने इस्लाम स्वीकारने के अलावा कोई मार्ग शेष ही नहीं बचा था। इतिहासकार राकेश सिन्हा इस बात पर जोर देकर बताते हैं कि एक पत्र में टीपू सुल्तान ने खुद कहा है कि 'मैंने चार लाख हिंदुओं का धर्मांतरण करा लिया है।

कर्नाटक चुनाव अपने अंतिम दौर में है। अंतिम समय तक कांग्रेस की ओर से जो बड़े मुद्दे सामने आए उनमें से प्रमुख है मुस्लिमों को पहले से अधिक आरक्षण देना, कांग्रेस का सत्ता में आते ही बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का ऐलान और टीपू सुल्तान का नाम । कांग्रेस को कर्नाटक की सत्ता में आने के लिए टीपू सुल्तान के प्रति हमदर्दी रखने वालों का साथ चाहिए। इसके लिए वह मुसलमानों के आरक्षण को भी सत्ता में आते ही बढ़ा देने की वकालत कर रही है। इसीलिए ही उसने विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान टीपू को एक हीरो के रूप में प्रस्तुत करने का कार्य भी किया। वहीं टीपू सुल्तान का वह जिहादी चेहरा है जिसे आज दुनिया जानती है और कांग्रेस उसे चाहकर भी नहीं छिपा सकती। दरअसल, इस्लामिक सत्ता को सर्वोच्च मानकर उसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने और उसके लिए किसी भी हद तक चले जाने की जिद्द ने टीपू सुल्तान के हाथ कई बार हिन्दुओं के सामूहिक नरसंहार से रंग दिए थे। बात सिर्फ इतनी भर थी कि ये सभी हिन्दू अपने सनातन धर्म से दूर होना नहीं चाहते थे और इनका इस्लाम पर कोई विश्वास नहीं था। इसके लिए उसने न जाने कितने हिन्दू उपासना स्थलों को तोड़ा। लेकिन वह भी एक हनुमान और भगवान विष्णु के संयुक्त मंदिर से भय खाता था, जिसका कि जिक्र परम्परा से आज भी गाहे बगाहे हो जाता है। वैसे तो टीपू के अत्याचार की लिस्ट बहुत लम्बी है। वह अपने राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में सबसे अधिक हिन्दुओं को प्रताड़ित करता, उनका नरसंहार करता और उन्हें भय दिखाकर तलवार के बल पर इस्लाम में लेकर आता था। कोई पूछ सकता है कि आप कैसे उस टीपू पर आरोप लगा सकते हैं जोकि अंग्रेजों से लड़ा था। उनके लिए आज मौजूद टीपू के लिखे तमाम पत्र हैं जिनमें उसने स्वयं बताया है कि कैसे-कैसे जिहाद के रास्ते पर चलकर उसने लाखों हिन्दुओं का कत्लेआम किया और लाखों को इस्लाम में आने के लिए इतना मजबूर कर दिया कि उनके सामने इस्लाम स्वीकारने के अलावा कोई मार्ग शेष ही नहीं बचा था। इतिहासकार राकेश सिन्हा इस बात पर जोर देकर बताते हैं कि एक पत्र में टीपू सुल्तान ने खुद कहा है कि 'मैंने चार लाख हिंदुओं का धर्मांतरण करा लिया है ह्ल इसका एक दूसरा पत्र भी है जिसमें टीपू यह लिखता है कि अल्लाह के रहम-ओ-करम से कालीकट में अनेक हिंदुओं का धर्मांतरण करा दिया गया है। वस्तुतः आज टीपू सुल्तान के ऐसे सैकड़ों पत्र मौजूद हैं, जो यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि उसकी मानसिकता क्या थी।

इस बात के अनेक प्रमाण कर्नाटक में निवास कर रहे इतिहासकार डॉ. चिदानंद मूर्ति अपनी कन्नड़ भाषा में टीपू पर लिखी पुस्तक में देते हैं । प्रोफेसर चिदानंद मूर्ति टीपू की तुलना हिटलर से करते हैं और कहते हैं कि दस्तावेजों के रूप में यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि वह एक क्रूर मतांध था, जिसने कई हजार हिंदुओं और ईसाइयों को बेरहमी से मार डाला या उन्हें मजबूरन धर्मांतरण करने पड़ा। प्रसिद्ध लेखक और इतिहासकार मूर्ति बताते हैं कि मांड्या जिले के मेलुकोटे के ब्राह्मण अभी भी दीपावली नहीं मनाते, क्योंकि लगभग तीन शताब्दी पहले टीपू ने दीपावली के एक दिन पहले बड़ी संख्या में उनका नरसंहार किया था। इतिहासकार और डिपार्टमेंट ऑफ कन्नड़ एंड कल्चर के थिएटर इंस्टीट्यूट रंगायना के निदेशक अदांदा सी करियप्पा का कहना है कि टीपू ने मेलुकोटे और कोडागु में बड़ा रक्तपात किया। टीपू ने मेलुकोटे के 1700 अयंगर ब्राह्मणों को जहर देकर मार दिया था। नरक चतुर्दशी के दिन ब्राह्मणों को मारकर उसने पेड़ पर लटकवाया था।

वे कहते हैं कि वास्तव में टीपू सुल्तान एक इस्लामिक फंडामेंटलिस्ट था न कि सेक्युलर । वह कुरान के मुताबिक ही फैसले लेता था। वह मानता था कि कुरान में जो लिखा है, उसने वही किया और हिंदुओं को इस्लाम धर्म में मत परिवर्तन करवाने से जन्नत मिलेगी। इस संदर्भ में रिसर्च स्कॉलर प्रो. एमए जयश्री और प्रो. एमए नरसिम्हन का एक शोध आलेख मेलुकोटे नरसंहार पर पब्लिश हुआ है। इस एतिहासिक अनुसंधान में ब्रिटिश सेना में मद्रास के कमांडर रहे जॉर्ज हैरिस की डायरी का उल्लेख किया गया है। इसमें हैरिस ने मेलुकोटे में टीपू सुल्तान की सेना के इकठ्ठा होने और नरसंहार करने के बारे में विस्तार से बताया है।

अब यह जान लेते हैं कि हिन्दू सनातन धर्म में मेलुकोटे का महत्व क्या है। वास्तव में अयंगर ब्राह्मणों का कहना है कि 14 वर्ष के वनवास के समय में भगवान श्रीराम मेलुकोटे से गुजरे थे। जब सीता माता को प्यास लगी तो उन्होंने अपने बाण को धरती में मारा और वहां पानी की तेज धारा फूट पड़ी, तभी से उस जगह को धुनषकोटि कहा जाने लगा, यहां तब त्रेतायुग से लेकर आज तक ये जल की धारा भूमि से निकलना कभी बंद नहीं हुई और न कभी यहां सूखा पड़ता है । 1964 में प्रकाशित केट ब्रिटलबैंक की किताब 'लाइफ ऑफ टीपू सुल्तान' भी यही बता रही है कि टीपू ने कैसे मालाबार क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा हिंदुओं और सत्तर हजार से अधिक ईसाइयों को अपने अत्याचार के बूते इस्लाम कबूल करवाया । ब्रिटिश गवर्मेंट में 19वीं शताब्दी के दौरान अधिकारी रहे लेखक 'विलियम लोगान' अपनी पुस्तक 'मालाबार मैनुअल' में लिखते हैं कि टीपू सुल्तान ने अपने 30,000 सैनिकों के दल के साथ कालीकट में तबाही मचाई थी। टीपू सुल्तान ने पुरुषों और महिलाओं को सरेआम फांसी दी और इस दौरान उनके बच्चों को उन्हीं के गले में बांध कर लटकाया गया। विलियम ने अपनी इस पुस्तक में टीपू पर मंदिर, चर्च तोड़ने के साथ ही जबरन शादी जैसे कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। लेखक और स्तंभकार संदीप बालकृष्ण अपनी किताब टीपू सुल्तान- द टायरेंट ऑफ मैसूर में बहुत विस्तार से टीपू के बारे में बताते हैं। वे लिखते हैं कि टीपू सुल्तान क्रूर और पक्षपाती शासक था, वह जिहादी था। उसने हजारों हिंदुओं को जबदरदस्ती मुस्लिम बना दिया, वह अपनी धार्मिक पुस्तक का पालन करता था जिसमें लिखा था मूर्तिपूजकों का वध करो। इसी प्रकार से इतिहासकार रवि वर्मा ने टीपू सुल्तान के बारे में एतिहासिक साक्ष्यों के साथ विस्तार से लिखा है। रवि वर्मा ने सैंकड़ों मंदिरों की एक सूची भी प्रस्तुत की है जो उनके अनुसार टीपू सुल्तान द्वारा तत्कालीन समय में नष्ट किए गए हैं। यह भी एक एतिहासिक तथ्य है कि वर्ष 1760 -1790 के कालखंड में जिहादी मानसिकता रखने वाले क्रूर आक्रांता टीपू सुल्तान ने कोडागु में 600 से अधिक मंदिरों को नष्ट कर दिया था। उसने कोडागु समाज पर विदेशी हथियारों से आक्रमण किया, जिसका प्रतिकार करते हुए कोडागु समाज के कंदांडा दोददाया और अपचचिरा मंडन्ना वीर हिन्दू कोड़ावा योद्धाओं ने अपने सैनिकों के साथ क्रूर व बर्बरता का अभिप्राय बन चुके टीपू को अपनी कुशल गोरिल्ला युद्ध नीति से एक बार नहीं अपितु इकत्तीस बार पराजित किया था। यह सिलसिला लगभग 25 वर्ष तक चलता रहा, फिर जब टीपू को जीत का कोई उपाय नहीं सूझा तो उसने कोडवों को शांतिवार्ता के लिए

कावेरी नदी के तट पर आमंत्रित किया। 13 दिसंबर 1785 के दिन जब कोडवा अपने पूरे परिवार के साथ बड़ी संख्या में देवतिपरंबू के कावेरी तट पर पहुंचे तभी टीपू की सेना ने जंगल में छुपकर कोडवों के पूरे परिवार पर घात लगाकर छल से हमला कर उनका नरसंहार किया। जिसमें लगभग 75,000 से अधिक कोडवा जनजाति के लोगों की हत्या की गयी और 92,000 कोडावों को बंदी बनाया गया था। बंदी बनायी गयीं हिन्दू महिलाओं के साथ बड़ी अमानवीयता से सामूहिक रूप से दुराचार और बच्चों का उत्पीड़न किया गया । यह हिन्दू नरसंहार इतना भयावह था कि कावेरी नदी का रंग भी कई दिनों तक कोडवा हिन्दुओं के रक्त से लाल रहा। ऐसा प्रतीत हो रहा था, कावेरी नदी में जल का नहीं अपितु रक्त का प्रवाह हो रहा हो। टीपू का सिर झुकता था चामराजपेट में कोटे वेंकटरमण मंदिर के सामने इस सब के बाद भी कहना होगा कि इतिहास में दर्ज अनेक हिन्दू मंदिरों को तोड़ने वाला टीपू सुल्तान चामराजपेट में कोटे वेंकटरमण मंदिर के सामने शीश झुकता था। इस मंदिर को मैसूर राजवंश के 14वें शासक चिक्कादेवराज वाडियार द्वारा 1690 में बनवाया गया था। इस मंदिर के बारे में इतिहास में दर्ज है कि इसने टीपू की जान बचाई थी। इस संदर्भ में डॉ. राघवेंद्र भट्ट का कहना है, यह घटना 1791 की है जब तीसरे एंग्लो-मैसूर युद्ध के दौरान टीपू सुल्तान को एक ब्रिटिश तोप के गोले से मंदिर के सामने एक 80 फीट लंबा पत्थर का गरुड़ खंभा है उसने बचाया। इसलिए टीपू सुल्तान नियमित रूप से मंदिर के देवता का सम्मान करता था।

पाकिस्तान को भारत का कड़ा संदेश

लेखक
प्रभुनाथ शुक्ल

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों के मध्य जमी बर्फ फिलहाल पिघलती नहीं दिखती है। गोवा में सम्पन्न हुए शंघाई सहयोग संगठन की बैठक से कम से यही संदेश निकलता है। पाकिस्तान आतंकवाद के मसले पर दोहरी नीति का पोषक है। पाकिस्तान यह अच्छी तरह जानता है कि भारत से सीधी लड़ाई में वह कभी जीत नहीं हासिल कर सकता है। वैश्विक मंच पर भी भारत बेहद मजबूती से खड़ा दिखता है। दुनिया में भारत की साख मजबूत है। भारत की वैश्विक कूटनीति अलग है। वह अपनी बात को दुनिया के सामने बड़ी साफगोई से रखता है। आतंकवाद के मसले पर उसकी नीति दो टूक है। भारत कभी भी आतंकवाद का समर्थन नहीं करता। अमेरिका, रूस और चीन जैसे ताकतवर मुल्कों के साथ भी उसकी नीति साफ है। भारत बुद्ध के सिद्धांत पर चलता है। वह जीओ और जीने दो में विश्वास रखता है। अरब देशों से भी भारत के बेहतर सम्बन्ध हैं। क्योंकि उसकी नीति स्पष्ट और साफ है। शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर कुछ खास हासिल नहीं हो पाया। भारत ने आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा कर दिया। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने जिस तरह पाकिस्तान को लताड़ा वह काबिलेगौर है। भारत शंघाई सहयोग संगठन के देशों को यह समझाने में कामयाब रहा कि आतंकवाद की फसल पाकिस्तान में उगाई जाती है। आतंकवाद को लेकर इससे बड़ी शर्मनाक बात और क्या हो सकती कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भारत में थे और कश्मीर में पाकिस्तान से ट्रेनिंग लेकर आए आतंकी हमारी सेना पर हमला कर रहे थे। राजौरी विस्फोट में हमारे पांच सैनिकों ने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान की इससे बड़ी दोहरी नीति और क्या हो सकती है। ईद के दिन भी सेना के ट्रक पर ग्रेनेड से हमला किया गया जिसमें पांच जवान बलिदान हो गए। पाकिस्तान के विदेशमंत्री ने पाकिस्तान लौटने के बाद कहा है कि आतंकवाद के मसले पर दोनों मुल्कों को मिलकर बात करनी चाहिए। यह दुनिया को दिखाने के लिए पाकिस्तान की छद्म कूटनीति है। 2016 के बाद बिलावल भुट्टो पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने भारत का दौरा किया है। हालांकि बिलावल के भारत दौरे को लेकर भी लोग बंटे हैं। पाकिस्तान चाहता है कि भारत धारा 370 की कश्मीर में वापसी करे, लेकिन यह संभव नहीं है। क्योंकि कश्मीर अब चुनाव कराना चाहती है। जबकि पाकिस्तान कभी ऐसा नहीं चाहेगा। यहाँ आम कश्मीरी अमन चाहता है। क्योंकि वह बहुत कुछ खो चुका है, लेकिन पाकिस्तान परस्त वहां के राजनेता कश्मीर में कभी भी शांति नहीं चाहते। कश्मीर शांत हो गया तो उनकी वहां कोई सुनने वाला नहीं रहेगा। धारा 370 की आड़ में राजनेताओं ने खूब लूटा है। भारत के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान से साफ कर दिया कि आप खुद को आतंक का शिकार कहते हैं और आतंक फैलाने वालों

के साथ बैठते हैं, ऐसा नहीं हो सकता। भारत पड़ोसियों से हमेशा शांति चाहता है। अगर ऐसा न होता तो शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पाकिस्तान को आमंत्रित ही न करता। लेकिन भारत की कूटनीति बहुत मजबूत है। विदेशी मेहमानों के सामने पाकिस्तान की आतंक परस्त नीति की भारतीय विदेशमंत्री ने बखिया उधेड़ दी। फिलहाल पाकिस्तान के संदर्भ में विदेश मंत्री एस जयशंकर की तरफ से की गयी यह टिप्पणी अहम है कि बिलावल और पाकिस्तान आतंक की इंडस्ट्री के प्रवक्ता हैं, आतंक को बढ़ावा देने और सही ठहराने वाले हैं। फिलहाल पाकिस्तान से आतंक के मसले पर कोई भी उम्मीद बेमानी है।

भारत का आंतरिक मामला है। वह किसी दूसरे का हस्तक्षेप मंजूर नहीं करेगा।

दूसरी तरफ पाक परस्त आतंकी घटनाएं चरम पर हैं उस लिहाज से पाकिस्तान से बातचीत मुमकिन नहीं है। सम्बन्ध सुधारने की बात तो दूर की कौड़ी है। पाकिस्तान चाहकर भी भारत के साथ रिश्ते नहीं सुधार सकता है। क्योंकि पाकिस्तान में चुनी सरकारें स्वतंत्र नहीं होती हैं उस पर सेना का नियंत्रण रहता है। पाकिस्तान में सरकारें सिर्फ दिखावे की बनती हैं, नीति तो सेना तैयार करती है। सेना खुद नहीं चाहती कि भारत के साथ सम्बन्ध सुधरें। पाकिस्तान की आर्मी आतंकियों को खुद ट्रेनिंग देकर भारत भेजती है। पाकिस्तान आतंकवाद पर दुनिया को दिखाने के लिए सिर्फ घड़ियाली आंसू बहाता है। भारत सरकार जम्मू-कश्मीर में

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अर्थव्यवस्था की उड़ान में खेती का बड़ा योगदान

लेखक
शशिकान्त जायसवाल

देशभर में उत्तर प्रदेश में पिछले छह वर्ष से विभिन्न क्षेत्रों में आए बदलाव की चर्चा हो रही है। खेती-किसानी के मामले में भी उत्तर प्रदेश दूसरे राज्यों की तुलना में कोसों आगे निकल चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन ने मल्टी सेक्टोरल क्षेत्रों को विकास की ओर डायवर्ट कर सस्टेनेबल और सर्वसमावेशी बनाया है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि और उससे संबंधित सेक्टर को मजबूती मिली है। योगी सरकार का पहला बजट ही किसानों को समर्पित था। यहीं से उत्तर प्रदेश के कृषि अर्थव्यवस्था की ग्रोथ और किसानों की आय को दोगुना करने के लिए विकास यात्रा प्रारंभ हुई। इसका परिणाम है कि कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की ग्रोथ रेट आज अन्य राज्यों की तुलना में अधिक है। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयास से राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 26 फीसदी हुआ है। जबकि कृषि विकास दर स्थिर मूल्य पर वित्तीय वर्ष 2016-17 में 6.6 फीसदी की तुलना में 2022-23 में तीन गुना अधिक 18.2 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसी तरह चालू मूल्य पर वित्तीय वर्ष 2014-15 में कृषि विकास दर -3.8 की तुलना में 2021-22 में बढ़कर 20.1 फीसदी हो गई है। इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए उत्तर प्रदेश ने चरणबद्ध तरीके से कार्य किया है। किसानों की लागत कम करने के लिए सिंचाई सुविधाओं में इजाफे से लेकर कृषि बजटिंग, मल्टी क्रॉपिंग, टेक्नोलॉजी के प्रयोग सहित प्रोत्साहन आदि प्रयासों पर जोर दिया है। बाणसागर, अर्जुन सहायक और सरयू नहर सहित 20 सिंचाई परियोजनाएं पूरी हुई हैं। इससे 21.42 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता बढ़ी है और 45 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। 20 नए कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित किए गए हैं। प्रदेश में 89 कृषि विज्ञान केंद्र सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। ऐसे अनेक नवाचार हैं, जिनसे किसानों को काफी सुविधा मिली है। इन्हीं में से कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) भी है। योगी सरकार ने 2020 में उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादक संगठन नीति बनाई और 17 विभागों को एक प्लेटफॉर्म पर लाया, सभी के कार्य क्षेत्र तय किए गए। सरकार ने कारपोरेट की तर्ज पर एफपीओ और कृषि से जुड़े क्षेत्रों में हर तरह के कार्य की छूट दी। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में करीब 2250 एफपीओ रजिस्टर्ड हैं और दो-ढाई करोड़ से पांच छह करोड़ तक का टर्नओवर कर रहे हैं। कोरोनाकाल में सहजन, लेमन ग्रास, पामा रोजा की खेती की और बागपत के किसानों ने गन्ने के गढ़ में इसे पैदा कर एक नया मॉडल दिया है। गन्ना किसानों की बात करें, तो सरकार ने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान कराया है और आज 119 चीनी मिलों में से 100 मिलें 10 दिनों के अंदर गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही

हैं। गन्ना उत्पादकता में 1,00,875 टन प्रति हेक्टेयर की वृद्धि से किसानों की आय में औसतन 349 रुपये प्रति कुंतल की दर से 34,656 रुपये प्रति हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। गन्ने के साथ अंतर फसली खेती से किसानों को करीब 25 प्रतिशत की अतिरिक्त आय हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की कर्मभूमि रमाला के साथ-साथ मुण्डेरवा एवं पिपराइच में नई चीनी मिल लगाकर उसका संचालन शुरू कराया। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में 12 किस्तों में 51,639.68 करोड़ रुपये दिए हैं। इतनी बड़ी राशि छोटे राज्यों के सालाना बजट के बराबर है। इसके अलावा फसल बीमा योजना में पांच साल में किसानों की संख्या दोगुनी और क्षतिपूर्ति करीब तीन गुनी बढ़ी है। 2017-18 से लेकर अब तक 48.21 लाख किसानों को 3957.38 करोड़ रुपये क्षतिपूर्ति दी गई है। वर्ष 2022-23 में अनन्तिम तौर पर 10.07 लाख किसानों को 597.68 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

इससे साफ है कि एक तरफ सरकार ने किसानों को भुगतान कराया है और दूसरी तरफ फसलों के नुकसान पर क्षतिपूर्ति भी दिलाई है। किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होने और ग्रामीण स्तर पर रोजगार सृजन होने से कस्बों में लिक्विडिटी भी बढ़ रही है, जिससे ग्रामीण एवं अर्द्ध शहरी बाजारों में एग्रीगेट डिमांड बढ़ रही है। यह व्यवसायियों और निवेशकों को उत्तर प्रदेश की तरफ आकर्षित होने का एक बड़ा कारण भी है। ग्रामीण और कस्बाई जनता कृषि के साथ कुटीर उद्योग धंधे भी करती है। उत्तर प्रदेश में देश के कुल हस्त शिल्पियों की आबादी का 29 प्रतिशत हिस्सा है और निर्यात में 60 प्रतिशत भागीदारी है। सरकार ने 1.90 लाख हस्त शिल्पियों, कारीगरों एवं छोटे उद्यमियों को 16 हजार करोड़ रुपये का लोन उपलब्ध कराया है। 2017 में बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनने वाले, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची, राजमिस्त्री और हस्तशिल्पी आदि को केंद्र में रखकर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना की शुरूआत की। इसके तहत करीब पौने दो लाख लोगों को प्रशिक्षण दिया गया है और निशुल्क टूल किट का वितरण किया गया है, ताकि वह अपना रोजगार आसानी से कर सकें। उत्तर प्रदेश सरकार के मेगा प्रोजेक्ट ह्यएक जनपद, एक उत्पाद कार्यक्रम (ओडीओपी) ने परंपरागत उद्योगों में जान फूंक दी है। उत्तर प्रदेश में 45 जीआई उत्पाद दर्ज हैं। वाराणसी और पूर्वांचल के जीआई उत्पादों में 20 लाख लोग शामिल हैं और करीब 25,500 करोड़ का सालाना कारोबार कर रहे हैं।

देशी, विदेशी शराब दुकान का ठेकेदार दिखा रहा मुख्यमंत्री के आदेश को ठेंगा

फतवा समाचार ◈ धार

बेखौफ होकर दारू दुकान परिसर में छलक रहे जाम

धार जिले के अंतिम छोर पर बसा डूब क्षेत्र का सबसे बड़े पुनर्वास स्थल के रूप में प्रख्यात निसरपुर नगर में इन दिनों अवैध शराब की तस्करी जोरों पर है। ठेकेदार द्वारा शराब दुकान से चार पहिया और दुपहिया वाहनों में शराब की पेटियों की सप्लाई जोरो पर की जा रही है। निसरपुर ठेके के ठेकेदार के संरक्षण में चार पहिया वाहन में शराब दुकान से ठेकेदार के चट्टे बट्टे निसरपुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण इलाको में शराब की सप्लाई करते हैं। शराब सप्लाई में ठेकेदार के एक प्रमुख व्यक्ति और लोकल में रहने वाले व्यक्ति द्वारा मैनेजमेंट के साथ सप्लाई का पुरा जिम्मा अपने कंधों पर लिया जाता है और खटारा चार पहिया वाहनों, में बैठ कर जगह जगह अंग्रेजी और देशी शराब पहुंचाई जाती है।*

आस-पास के गांव में हो रही शराब की सप्लाई

शराब ठेकेदार द्वारा आसपास के गांवों और नगर में स्थित वार्डों में शराब की अवैध रूप से सप्लाई करवाई जाती है। युवा तो छोड़ो आजकल के नाबालिक बालकों को भी आसानी से शराब उपलब्ध हो रही है। नगर सहित आसपास के गांव में शराबों की सप्लाई बेधड़क की जा रही है । साथ-साथ अन्य जगहों पर शराब की बड़ी मात्रा में सप्लाई की जाती है। जिससे नगर की युवा पीढ़ी नशे में धुत होकर अपने वर्तमान को खोते जा रही है। सबसे बड़ी बात तो यह है जिन गाड़ियों में शराब की सप्लाई की जाती है । उन गाड़ियों को अक्सर या तो अल सुबह के समय शराब ठेके से भर कर निकाला जाता है,या रात के अंधेरे में सप्लाई करवाई जाती है । देखना यह है कि क्या उक्त शराब सप्लाई पर कोई कार्यवाही पुलिस विभाग करेगी या धीरे-धीरे संपूर्ण नगर ही मयखाना में तब्दील हो जाएगा।

बता दे की निसरपुर नगर के बीच बस्ती में संचालित की जा रही शराब दुकान पहले से ही सुर्खियों में चल रही थी की ऐसे में अब जहा एक और प्रदेश के मुख्य मंत्री द्वारा खुल्ला एक आदेश पारित कर दिया गया है जिसमे कहा गया की शराब दुकान या अहाते पर बैठा कर शराब नहीं परोसी जाएगी,लेकिन निसरपुर शराब दुकान का ठेकेदार नही मानता मुख्य मंत्री के आदेश को और बेखौफ होकर खुले आम लोगो को शराब दुकान के परिसर में खुले आम शराब पीने की छूट दे रहा है ।

ठेकेदार के आदमी करते हैं शराब सप्लाई : निसरपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत शराब ठेकेदार के आदमी द्वारा चार पहिया व दुपहिया वाहन के माध्यम से ढाबो व निजी आहतो और आस-पास के गांव में शराब की अवैध रूप से सप्लाई करवाई जाती है। शराब ठेकेदार के आदमियों द्वारा चार पहिया वाहन में अपने खास आदमी के साथ दो- चार चट्टे,बट्टे को बैठा कर उनके साथ अवैध शराब सप्लाई को अंजाम दिया जाता है। बड़ी मात्रा में दुकान से शराब निकालकर निसरपुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण इलाको में स्थित ढाबों , आहातो सहित कई किराना दुकानों में बड़े पैमानों में शराब की तस्करी की जाती है जिसे ढाबों और गांव में अवैध रूप से बेचा जाता है।

युवाओं को और नाबालिकों को मिल रही बे धड़क शराब

नगर के वार्डो सहित ढाबों में बिक रही अवैध शराब तक नाबालिकों के हाथ आसानी से पहुंच रहे हैं जिससे युवा पीढ़ी के साथ-साथ नाबालिक भी नशे का धीरे-धीरे आदि बनता जा रहा है। जिससे यह तो स्पष्ट है कि शराब की अवैध सरकारी व बिक्री के कारण बड़ी आसानी से युवाओं और नाबालिकों को शराब उपलब्ध हो रही है जिससे देश का भविष्य या कहे तो निसरपुर का भविष्य अंधकार में नजर आ रहा है। अब देखना यह है कि पुलिस द्वारा युवा और नाबालिकों के भविष्य को अंधकार में जाता हुआ देखा जाएगा या उक्त अवैध शराब सप्लाई पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही की जाएगी।

निजी अहाते और ढाबे बने मयखाने

नगर में स्थित ढाबों सहित छोटे मोटे किराना दुकानों में शराब की सप्लाई जाती है। जहां बैठ कर पीने की पूरी व्यवस्था उपलब्ध कराई जाती है। सूत्रों की माने तो यहां कई दबे - छुपे शराबियो का देर रात तक जमावड़ा रहता है जहां सर्व सुविधा युक्त शराब उपलब्ध कराई जाती है। ढाबों सहित निजी आहतो पर जहां शराब ठेकेदार द्वारा कन्सेक्सन देकर शराब की बिक्री की जाती हैं। जबकि प्रशासन के नियम अनुसार किसी भी ढाबा या निजी अहातो में बैठ कर शराब पीने की अनुमति नहीं रहती है फिर भी प्रशासन के नियम को दरकिनार कर इन ढाबों और निजी अहातो में शराब परोसी जा रही है।

मोटर साईकल चोर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

81 मोटरसाईकल जप्त कीमती 50 लाख रुपये, जिसमें आरक्षक दिलीप का उल्लेखनीय कार्य रहा

फतवा समाचार ◈ धार

पुलिस महानिरीक्षक इन्दौर रेंज (ग्रामीण) जिला इन्दौर द्वारा विगत दिनों में अपराध समीक्षा के दौरान मोटर साईकल की बढती चोरी पर चिन्ता व्यक्त की थी तथा समीक्षा के दौरान चोर गिरोह की पतारसी के लिए विशेष प्रयास के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य में श्रीमान् पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह द्वारा पीथमपुर सब डिवीजन की एक टीम मोटरसाईकल चोरी के अपराध एवं नियंत्रण व पतारसी हेतु गठित की थी जिसमें नगर पुलिस अधीक्षक तरुणेन्द्र सिंह बघेल, थाना प्रभारी पीथमपुर समीर पाटीदार थाना प्रभारी सेक्टर 01 लोकेश भदौरिया, थाना प्रभारी सागौर राजेन्द्र भदौरिया, उप निरीक्षक लोकेन्द्र चौधरी, उप निरीक्षक अरुण कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक गरिमा शाक्यवार, सउनि विनोद पटेल, सउनि अजय भदौरिया, सउनि कृष्णदत्त मिश्रा ,प्रआ? अभिषेक, प्रआर महेश, आर दिलीप, आर करण, आर लखन, आ? सचिन, आर सूरज,आर 71 सर्वेश सायबर सेल धार, आर 223 प्रशांत सिह सायबर सेल धार की एक टीम गठित की थी। दिनांक 08/05/2023 को शाम करीब 08/00 बजे मुखबीर द्वारा सूचना आ?क्षक दिलीप को दी गई कि मोटरसाईकल चोरो की टोली पीथमपुर सेक्टर 03 मे देखी गई है, इस सूचना को आर दिलीप ने थाना प्रभारी समीर पाटीदार को बताया तथा थाना प्रभारी ने टीम के सभी सदस्यो को एकत्रित कर मुखबीर के बताये स्थान एमपीआरडीसी रोड जे बी एम कंपनी खण्डहर के पीछे घेराबंदी की गई तथा मुखबीर के बताये हुलिये के आधार पर चोरो की टोली के सदस्यो को पकडा गया जिनसे पुछताछ करने पर अपना नाम राहुल पिता भावसिंह निवासी कुतेडी थाना बाग, सुरेश पिता भेरुसिंह अखाडे निवासी बलवारी थाना गंधवानी, राहुल पिता कैलाश मोरी निवासी लुन्हेरा थाना बाग, गोलू पिता रुमाल मेडा निवासी आमखुर्द थाना कट्ठीवाडा जिला अलीराजपुर बताया व इनका एक साथी फरार है। आरोपीयों के विरुध्द अपराध क्रमांक 289/2023 धारा 401 भादवि का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया

जप्त मश्रुका – इनके पास से प्लायर, मास्टर चाबी, पेचकस व चार मोटरसाईकल मिली जिनके दस्तावेज नही मिले एवं पुछताछ मे उक्त मोटरसाईकल चोरी करना बताया। चारो आरोपियो से अलग-अलग पुछताछ की गई जो सेक्टर 01, पीथमपुर , राजगढ, धरमपुरी, कुक्षी, इन्दौर, बलकवाडा, खरगोन, झाबुआ से मोटरसाईकल चोरी करना कबुल किया। आरोपी राहुल पिता भावसिंह से 25 मोटरसाईकल, गोलू से 23 मोटरसाईकल ,राहुल पिता कैलाश से 17 मोटरसाईकल सुरेश से 16 मोटरसाईकल, , कुल 81 मोटरसाईकल उनके बताये अनुसार पीथमपुर से जप्त की गई।

धार पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार के कुशल मार्गदर्शन में पीथमपुर पुलिस ने कुल 50 लाख के मश्रुका के वाहन जप्त करने में सफलता प्राप्त की है वरिष्ठ अधिकारीयो ने पीथमपुर पुलिस की कार्यवाही की प्रशंसा की है तथा सभी मेहनत करने वाले कर्मचारीयों को पुरस्कृत करने की घोषणा की एवं विशेष भुमिका निभाने वाले आर दिलीप यादव के उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य को विशेष सम्मान देने की घोषणा श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय धार ने की है।

गिरफ्तार आरोपी के नाम

- राहुल पिता भावसिंह निवासी उम्र २१ साल कुतेडी थाना बाग
- सुरेश पिता भेरुसिंह अखाडे उम्र २५ साल निवासी बलवारी थाना गंधवानी
- राहुल पिता कैलाश मोरी उम्र २० साल निवासी लुन्हेरा थाना बाग
- गोलू पिता रुमाल मेडा उम्र २१ साल निवासी आमखुर्द थाना कट्ठीवाडा जिला अलीराजपुर

फरार आरोपी

- रवि जामौद निवासी कुतेडी थाना बाग जिला धार

उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारी / कर्मचारी- नगर पुलिस अधीक्षक तरुणेन्द्र सिंह बघेल, थाना प्रभारी पीथमपुर समीर पाटीदार थाना प्रभारी सेक्टर 01 लोकेश भदौरिया, थाना प्रभारी सागौर राजेन्द्र भदौरिया, उप निरीक्षक लोकेन्द्र चौधरी, उप निरीक्षक अरुण कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक गरीमा शाक्यवार, सउनि विनोद पटेल, सउनि अजय भदौरिया, प्र आ? अभिषेक, प्र आर महेश, आर दिलीप, आर करण, आर लखन, आ? सचिन, आर सुरज आर 71 सर्वेश सायबर सेल धार आर २२३ प्रशांत सिह सायबर सेल धार सभी का सराहनीय सहयोग रहा।

पलेरा पुलिस के द्वारा विगत 6 वर्षों से विभिन्न 8 मामलों में फरार शातिर बदमाश एवं स्थाई वारंटी को हरियाणा से पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश में पकड़ा

राम सिंह यादव ◈ टीकमगढ़ (पलेरा)

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय टीकमगढ़ श्री रोहित काशवानी द्वारा जिले में चलाए जा रहे स्थाई वारंटी ओं की धरपकड़ अभियान के अंतर्गत श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सीताराम सत्या एवं एसडीओपी श्री अभिषेक सिंह गौतम जतारा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ।पलेरा द्वारा एक टीम गठित की गई ।पलेरा थाना प्रभारी निरीक्षक त्रिवेंद्र त्रिवेदी ,उप निरीक्षक अजय प्रताप सिंह, सहायक उपनिरीक्षक सतीश त्रिपाठी एवं आरक्षक 671 संतोष चक्रवर्ती,एनआरएस साकेत राजपूत के द्वारा 6 वर्षों से 8 मामलों में केस नंबर क्रमांक 1049/17.446/19.448/19.448/19.450/19.447/19.132/19.769/19. के विभिन्न धाराओं में परास्नातक निगरानी बदमाश भूरा उर्फ सोनू पिता बैजनाथ उर्फ विजय अहिरवार 28 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 पलेरा की तलाशी हेतु। जिला साइबर सेल टीकमगढ़ से स्टाफ मोबाइल लोकेशन के आधार पर टीम को हरियाणा की तरफ रवाना किया गया था जो टीम के फरीदाबाद हरियाणा पहुंचकर शातिर बदमाश की तलाश की जो तलाशी के दौरान सातिर निगरानी बदमाश का पीछा करते हुए मऊरानीपुर उत्तर प्रदेश से घेराबंदी कर टीम द्वारा पकड़ा गया।जिसे आज दिनांक 09/05/2023 को माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है।उक्त कार्रवाई में नगर निरीक्षक त्रिवेंद्र त्रिवेदी, उपनिरीक्षक अजय प्रताप सिंह, सउपनि सतीश त्रिपाठी , एवं आरक्षक नंबर 671 संतोष चक्रवर्ती, एनआरएस साकेत राजपूत, तथा सायबर सैल से टीकमगढ़ से उप निरीक्षक मयंक नगायच प्र आ रहमान खान को सराहनीय भूमिका रही।

सिरफिरे आशिक को एकतरफा हुआ प्यार, मोहब्बत का इजहार न करने पर युवती को मारी गोली

राम सिंह यादव ◈ टीकमगढ़ (पलेरा)

गंभीर हालत में डॉक्टरों ने महिला को झांसी किया रेफर

नगर से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत सैपुरा में एक शादीशुदा महिला पर सिरफिरे आशिक ने गोली चला दी। इस घटना के दौरान गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई गई महिला को हालत गंभीर होने के बाद डॉक्टरों के द्वारा उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। उक्त घटना की खबर पाकर समूचे नगर क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

महिला के परिवारजनों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नीरज साहू नाम के व्यक्ति ने शादीशुदा महिला के समक्ष प्यार किए जाने की बात सामने रखी थी, महिला के द्वारा मना किए जाने पर नीरज साहू ने उसे गोली मार दी। बताया गया है कि यह वारदात उस समय घटित हुई जब महिला अपने घर से बाहर नरसिंह मंदिर के पास हैंडपंप से पानी लेने के लिए गई थी। महिला के परिवारजनों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नीरज साहू का रूपयों का लेनदेन उसके परिवारजनों से चलता था। इसी बात का फायदा उठाते हुए नीरज काफी दिनों से महिला के पीछे पड़ा था। फिलहाल उक्त घटना को लेकर स्थानीय थाना पुलिस ने अपनी कार्यवाही शुरू कर दी है, वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।।

बोहरा समाज के अनुयायियों के घर व प्रतिष्ठान पहुंचे धर्मगुरु, लोगों ने किया स्वागत

फतवा समाचार ◈ बड़वानी

दाऊदी बोहरा समाज के 53वें धर्मगुरु डा. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन मौला मंगलवार को अनुयायियों के घर व प्रतिष्ठानों पर पहुंचे। पलक पावड़े बिछाकर इंतजार कर रहे अनुयायियों ने धर्मगुरु की एक झलक पाकर खुशी जताई। भाव विभोर हुए अनुयायियों ने मौला-मौला की पुकार करते हुए हाथ जोड़कर अभिवादन किया। पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया।

धर्मगुरु ने यहां पर समाज की नई मस्जिद का लोकार्पण किया। वहीं, सामूहिक निकाह में शामिल होकर नवयुगलों को आशीर्वाद दिया। ज्ञात रहे कि बोहरा समाज के सैयदना साहब का 28 वर्ष बाद शहर में आगमन हुआ है। उनके आगमन से जिले में बोहरा अनुयायियों में खासा उत्साह व उल्लास का माहौल है। एक दिन पूर्व सोमवार शाम को वाहनों के काफिले के साथ जैसे ही धर्मगुरु ने शहर में प्रवेश किया, जगह-जगह लोगों ने सड़क के दोनों किनारों पर खड़े होकर हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया। धर्मगुरु सैयदना साहब यहां पर समाज के विविध आयोजनों में शामिल हो रहे हैं। वहीं, मस्जिद में विशेष नमाज के बाद अनुयायियों को प्रवचन भी दिए। गौरतलब है कि धर्मगुरु के आगमन को लेकर शहर में समाज द्वारा भव्य तैयारियां की गई। बोहरावाड़ी सहित सैयदना साहब के निवास सतपुड़ा में विद्युत रोशनी सहित साफ-सफाई और विभिन्न प्रकार की तैयारियों को अंजाम दिया गया। नई मस्जिद सहित पूरा बोहरा मोहल्ला विद्युत रोशनी से जगमगा उठा है।

बड़वानी में नवजात को झाड़ी में छोड़ गए निर्दयी मां-बाप

ओझर/बड़वानी। सेंधवा में मुंबई-आगरा हाईवे पर जामली टोल नाके के समीप झाड़ियों में मिली पांच दिन की नवजात बालिका की सेहत में सुधार है। जिला मुखालय पर नर्सों की देखरेख में बालिका का उपचार जारी है। कुछ इन्फेक्शन के कारण चिकित्सकों व नर्सों की निगरानी में रखा गया है। उधर, बालिका के माता पिता को लेकर दस घंटे बाद पुलिस ने पता लगा लिया। पुलिस के अनुसार जिले के नागलवाड़ी ग्राम पंचायत के तहत चोगडिया पूरा के निवासी राजेश उर्फ रालिया पुत्र माल सिंह भिलाला मजदूरी के लिए खेती कृषि का कार्य करने महाराष्ट्र के बोकटा जिला धूलिया में गए हुए थे जहां पर आठ रोज पहले लड़की का जन्म नासिक के अस्पताल में हुआ था। आठ दिन की नवजात बच्चे को गोद में मोटरसाइकिल पर बैठकर लाए थे। अज्ञात कारणों से जामली टोल टैक्स के पास लक्ष्मी ढाबे के पास बिना कपड़े के लावारिस छोड़ आए और घर आकर कह दिया कि नन्हीं बालिका बाइक से गिरने के कारण मृत हो गई थी। उसे वहीं दफना आए। कुछ घंटों के बाद राजेश भिलाला फिर वहीं बाइक से बालिका को देखने गया, लेकिन बालिका नहीं दिखी। सारा घटनाक्रम ढाबे के एक कर्मचारी ने देख लिया था तथा अपने मालिक के साथ बालिका के स्वजनों की तलाश की, लेकिन नहीं मिले। वहीं सेंधवा ग्रामीण थाना आने जाकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ नन्हीं बालिका को लावारिस छोड़कर जाने की रिपोर्ट लिखवाई। पुलिस में नवजात बालिका को सेंधवा अस्पताल इलाज कर बड़वानी रेफर कर दिया गया।

बरघाट से कांग्रेस विधायक अर्जुन सिंह काकोड़िया बोले

भगवान राम की रक्षा करने वाले बजरंग बली एक आदिवासी थे

सिवनी। उड़ेपानी में कमल नाथ की आम सभा में बरघाट से कांग्रेस विधायक अर्जुन सिंह काकोड़िया ने कहा कि बजरंग बली आदिवासी, जो जंगल रहे। जिन्होंने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम की रक्षा की, उनकी सहायता की। कोई अयोध्या की सेना, कोई क्षत्रियों की सेना, कोई ब्राह्मणों की सेना नहीं गई थी। वहां पर यदि मदद की तो आदिवासियों ने। कोई हमारे बजरंग बली जो आदिवासी हैं, उनका अपमान करेगा तो हम बर्दास्त नहीं करेंगे। उनका नाम लेकर सड़क पर उतरेंगे, उनका अपमान करेगा तो आदिवासी समाज उसको छोड़ेगा नहीं। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजकुमार खुराना ने भी संबोधित किया। इस दौरान माचागोरा का पानी चीचबंद, सागर और गौशाला बंजारी तालाब में पहुंचाने सहित अन्य मांगें मंच से उठाई गईं। विधायक काकोड़िया ने शिवराज सिंह सरकार अब तक आदिवासी बाहुल्य कुरई विकासखंड मुख्यालय में शासकीय महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध नहीं करा सकी है। बच्चों को जर्जर भवन और पेड़ के नीचे मैदान में अध्यापन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मंच पर लखनादौन से कांग्रेस विधायक योगेंद्र सिंह, चौरई के पूर्व विधायक व सिवनी प्रभारी चौधरी गंभीर सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष शफीक खान, कांग्रेस नेता राजा बघेल, पंकज शर्मा, आनंद पंजवानी सहित बालाघाट, मंडला के कांग्रेस पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महाराज सहस्त्रबाहु को लेकर दिए बयान पर धीरेंद्र शास्त्री ने मांगी माफी

फतवा समाचार ◈ छतरपुर

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने इंटरनेट मीडिया पर लोगों से माफी मांगी है। उन्होंने यह माफी पिछले दिनों भगवान परशुराम और सहस्त्रबाहु अर्जुन के बीच हुए युद्ध को लेकर दिया था। उन्होंने कहा है कि उस कथन से यदि किसी की भावना आहत हुई हो तो उसके लिए उन्हें खेद है। भगवान परशुराम और राजा सहस्त्रबाहु अर्जुन को लेकर पिछले दिनों धीरेंद्र शास्त्री ने कथा के दौरान कुछ बातें कहीं थी। जिसे लेकर लोगों ने उनका विरोध किया था। जब यह बात धीरेंद्र शास्त्री के पास पहुंची। तो उन्होंने ट्विटर पर पोस्ट कर कहा कि विगत कुछ दिनों से एक विषय संज्ञान में आया है एक चर्चा के मध्य में मेरे द्वारा भगवान परशुराम जी एवं महाराज सहस्त्रबाहु अर्जुन जी के मध्य हुए युद्ध के विषय में जो भी कहा गया है वह हमारे पवित्र हिन्दू शास्त्रों में वर्णित आधार पर कहा गया है। हमारा उद्देश्य किसी भी समाज अथवा वर्ग की भावनाओं को आहत करने का नही था न ही कभी होगा,क्योंकि हम तो सदैव सनातन की एकता के पक्षधर रहे हैं। फिर भी यदि हमारे किसी शब्द से किसी की भावना आहत हुई हो तो इसका हमें खेद है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम सब हिन्दू एक हैं। एक रहेंगे। हमारी एकता ही हमारी शक्ति है।

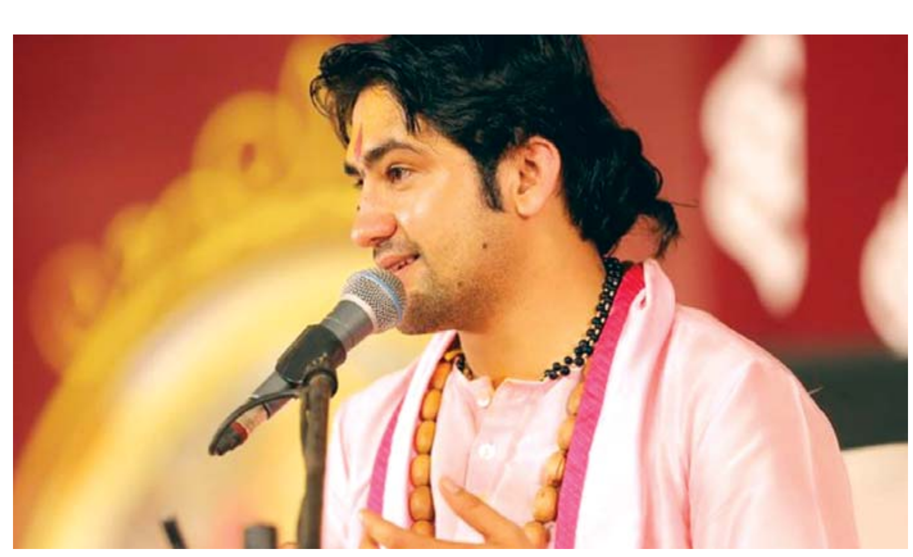

डेढ़ दशक में 2000 से अधिक दिव्यांग प्रतिभाओं को दिया संगीत का प्रशिक्षण

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

संस्कारधानी की संगीत गुरु डा. शिप्रा सुल्लेरे विगत डेढ़ दशक की अवधि में 2000 से अधिक दिव्यांग प्रतिभाओं को संगीत का प्रशिक्षण देकर अपार संतोष की धनी बन चुकी हैं। डा. शिप्रा सुल्लेरे स्वयं जितनी पारंगत गायिका व संगीतकार हैं, उतने ही मेधावी हैं, उनके सिखाए शार्गिद। यही वजह है कि गीत-संगीत उपासिका के रूप में उनकी पहचान प्रगाढ़ होकर स्थानीय से प्रादेशिक व राष्ट्रीय क्षितिज तक विस्तारित हो चुकी है। संभागीय बाल भवन, जबलपुर में संगीत अनुदेशक के पद पर सेवारत डा. शिप्रा ने एएम, संगीत गायन की उपाधि अर्जित की। इसी के साथ भक्ति संगीत में पीएचडी का गौरव अर्जित किया। राष्ट्रीय संगीत व नाट्य समारोह में संगीत प्रस्तुति व निर्देशन के जरिए अपनी प्रतिभा का कमाल दिखा चुकी हैं। भक्ति गीतों के एलबम, फिल्म में बैंक ग्राउंड म्युजिक, संगीत निर्देशन, विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए संगीत संरचना आदि उनके विविध आयाम रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि डा.शिप्रा विभिन्न सरकारी-गैर सरकारी उपक्रमों व व्यक्तिगत रूप से संगीत के क्षेत्र में कार्यरत हैं। इस तरह रोजगार हासिल कर आत्मनिर्भर बने हुये हैं। वहीं एक सैकड़ा के लगभग बच्चों ने अनेक राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय प्रतिगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के जरिये मानवर्धन कर चुके हैं। कुछ बच्चों ने रियलिटी शोज में सफलता का परचम भी लहराया। राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति व पुरस्कार भी अर्जित किए। इनमें इशिता, उन्नति, शांभवी, सखी, सजल, आयुष, नयन, राजवर्धन, गर्व, शीतल, आकर्ष, मृगांक, अंजली व श्रद्धा के नाम उल्लेखनीय हैं। दरअसल, नियमित संगीत कक्षाओं व कार्यशालाओं में डा.शिप्रा का मोटिवेशन इतना शानदार होता है कि जो भी व्यक्ति बोल सकता है, वह गा भी सकता है, यह लोकोक्ति पूरी तरह सार्थक हो जाती है। शहर की दिव्यांग बेटी सखी जैन के जीवन में डा.शिप्रा के सिखाए गीत-संगीत ने जीवंतता भर दी। उन्होंने न केवल सखी को जीवन के नैराश्य की छांव से बचाया बल्कि उसके माता-पिता को सखी के संबंध में बेफिक्र कर दिया। उनका संदेश है कि जिस तरह समाज ने संगीत के प्रतिमान स्व.रवींद्र जैन को महत्व दिया, वैसा ही महत्व सखी सहित अन्य गीत-संगीत की प्रतिभाओं को भी मिले।

अनाथ बच्चों की शिक्षा दीक्षा में आगे आए औद्योगिक घराने

- उद्योगपति मनीष गई ने 5 बच्चों की परवरिश के लिए दिए 1.20 लाख
- कलेक्टर के आह्वान पर सीएसआर की बैठक में औद्योगिक घरानों ने लिया था संकल्प

कमलेन्द्र पटेल ◈ कटनी

अपने अभिभावकों को खो चुके गरीब बच्चों की शिक्षा दीक्षा में कोई रुकावट न आए, इसके लिए कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद के प्रयासों से प्रेरित होकर जिले के औधोगिक घरानों द्वारा ऐसे बच्चों के बालिग होने तक 2000 रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता करने का प्रण लिया था। इसी संकल्प को पूरा करते हुए आज सोमवार को अजय फूड प्राइवेट लिमिटेड की ओर से उद्योगपति मनीष गई द्वारा कलेक्टर श्री प्रसाद को ऐसे 5 अनाथ बच्चों की आर्थिक सहायता के लिए प्रथम वर्ष हेतु 1 लाख 20 हजार रुपए का चौक सौंपा। इस मौके पर उनके साथ महाकौशल रिफेक्टरीज के उद्योगपति अरविंद गुगलिया भी मौजूद थे, जिनके द्वारा गुगलिया चौरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से ऐसे 10 अनाथ बच्चों के बालिग होने तक आर्थिक सहायता का संकल्प लिया गया है।

कलेक्टर की प्रेरणा से प्रकाशित होगा अनाथ बच्चों का जीवन : अपने अभिभावकों को खो चुके ऐसे असहाय बच्चों के जीवन में आशा की किरण बनकर उभरे कलेक्टर अवि प्रसाद द्वारा अभिनव पहल करते हुए औद्योगिक घरानों से सीएसआर के जरिए निजी स्पॉन्सरशिप के माध्यम से ऐसे बच्चों की शिक्षा और परवरिश के लिए बालिग होने तक 2 हजार रूपए आर्थिक सहायता प्रदान करने का आह्वान किया गया था। कलेक्टर श्री प्रसाद के इस पुनीत और सेवा समर्पित कार्य में औद्योगिक घरानों ने सहयोगी बनना सहर्ष स्वीकार किया।

ये तो सिर्फ शुरुआत है...

उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा चलाई जा रही निजी स्पॉन्सरशिप योजना से ऐसे अनाथ बच्चों को सिर्फ एक वर्ष तक शिक्षा दीक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान है। जिसे और असरदार और व्यापक बनाते हुए कलेक्टर श्री प्रसाद ने कटनी जिले में इस योजना के तहत ऐसे बच्चों को बालिग होने तक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए हैं। जिसमें एसीसी कैमोर, महाकौशल रिफेक्ट्रीज, अल्ट्राटेक आदित्य बिरला ग्रुप, उद्योगपति पवन मित्तल, मनीष गई आदि द्वारा अनाथ बच्चों की शिक्षा दीक्षा को अपने हाथों में लेने का संकल्प विगत दिनों हुई सीएसआर की बैठक में कलेक्टर श्री प्रसाद की प्रेरणा से लिया था। कलेक्टर श्री प्रसाद ने कहा कि यह तो अभी सिर्फ पहल है हमें ऐसे बच्चों और वंचित वर्ग की सेवा और सहायता के कई पडाव पूरे करने हैं।

क्विज के माध्यम से देश जानेगा कटनी का गौरवमयी इतिहास

- कलेक्टर की एक और अभिनव पहल कटनी को जाने ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ
- संपूर्ण भारतवासी क्विज में भाग लेकर जीत सकते हैं रोजाना पुरुस्कार

अनिल कमल तिवारी ◈ कटनी

समूचा देश हमारी कटनी के गौरवमयी इतिहास, समृद्धशाली सांस्कृतिक, साहित्यिक और भौगौलिक विरासत सहित कई विशेषताओं से अब परिचित होगा। यह सब संभव होने जा रहा है कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद की विशेष रुचि और प्रयासों से। समूचा देश जिला प्रशासन कटनी द्वारा प्रारंभ की गई ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से कटनी को बेहतर और नए सिरे से जान सकेगा। कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद के नवाचारों में शामिल इस एक और अभिनव पहल में रेडक्रॉस सोसायटी कटनी और इनटेक चौप्टर कटनी सहयोगी की भूमिका में है। इन दोनों संस्थाओं के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का शुभारंभ आज विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर शाम 5 बजे कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा किया गया। कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा इस ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के लिए शिक्षविद विवेक दुबे को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इस प्रतियोगिता के लिए डॉ अमित साहू द्वारा लिखित पुस्तक ष्राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में कटनी का योगदानष और राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल द्वारा लिखित कटनी अतीत दर्शनष को संदर्भ के तौर पर लिया गया है। इस प्रतियोगिता का कंटेंट तैयार करने बनी समिति में इनटेक चौप्टर कटनी के मोहन नागवानी, राजेंद्र प्रसाद ठाकुर, चित्रा प्रभात, सत्यदेव चतुवेर्दी, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल शामिल हैं।

15 अगस्त तक रोजाना होगी प्रतियोगिता

कटनी को जानो ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता के संबंध में कलेक्टर अवि प्रसाद ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कटनी जिले के गौरवपूर्ण इतिहास, विशेषताओं और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में कटनी के योगदान से समूचे देश के आम जनमानस और नई पीढ़ी को परिचित कराना है। यह ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आज 8 मई से प्रारंभ होकर सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर शेष सभी दिवस प्रतिदिन 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक आयोजित की जाएगी। जिसमें आज 8 मई को प्रतियोगिता का कंटेंट और प्रश्न शाम 5 बजे प्रसारित किया जाएगा। जिसमें प्रतिभागी आज रात 12 बजे तक प्रश्नों के ऑनलाइन जवाब सबमिट कर सकते हैं। 9 मई से प्रतिदिन सुबह 11 बजे कटनी के इतिहास, विशेषताओं और रोचक जानकारियों से संबंधित एक निर्धारित कंटेंट (जानकारी) ऑनलाइन साझा की जाएगी। साथ ही इस कंटेंट पर आधारित बहुविकल्पीय 10 प्रश्न ऑनलाइन प्रसारित किए जायेंगे। जिनके उत्तर प्रतिभागी को उसी दिन रात 12 बजे तक ऑनलाइन सबमिट करने होंगे। अगले दिन सुबह 11 बजे परिणाम घोषित करने के साथ ही नया कंटेंट और नए 10 बहुविकल्पीय प्रश्न प्रसारित किए जायेंगे। यह क्रम 15 अगस्त 2023 तक जारी रहेगा। प्रतिभागी ल्लू.ल्ल/1ि5ील्ल3 कटनी-को -जाने -प्रतियोगिता/ लिंक के जरिए प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा जनसंपर्क कटनी द्वारा प्रतियोगिता से संबंधित जारी क्यूआर कोड को स्कैन कर भी प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं।

प्रतिभागी का भारत की नागरिकता होना जरुरी

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी को भारत का नागरिक होना जरूरी है। इसके अलावा किसी प्रकार की कोई बाध्यता प्रतिभागी के लिए निर्धारित नहीं की गई है। किसी भी उम्र के प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

रोजाना दो हजार की पुरुस्कार राशि :

प्रतिदिन प्रस्तुत सही जवाब के आधार पर रेंडमली विजेताओं का चयन किया जाएगा। जिसमें प्रथम स्थान में आने वाले प्रतिभागी के लिए 1000 रूपए, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान अर्जित करने वाले प्रतिभागी को क्रमशरू 500, 300 और 200 रुपए पुरुस्कार राशि निर्धारित की गई है।

बच्चों और युवाओं के लिए लाभकारी होगी यह प्रतियोगिता :

उल्लेखनीय है कि ष्कटनी को जानो प्रतियोगिता बच्चों और युवाओं के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से नई और युवा पीढ़ी राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में कटनी के योगदान को बेहतर तरीके से जान सकेगी। इसके साथ ही कटनी के पर्यटन स्थल, प्राकृतिक और मानव निर्मित जल संरचनाओं, दूरसंचार, चित्रित शैलाश्रय, खनिज संपदा, रेल संरचना, आयुध निमार्णी आदि के संबंध में कई रोचक जानकारियों से रूबरू होंगे। ऑनलाइन क्विज के माध्यम से आम जनमानस को कटनी के साहित्यिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, कला, खेल आदि क्षेत्र के इतिहास, प्रशासनिक ढांचे सहित कई रोचक और महत्वपूर्ण जानकारियों से परिचित हो सकेंगे। साथ ही बच्चे गर्मी की छुट्टी का सदुपयोग भी कर पाएंगे। कलेक्टर अवि प्रसाद ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से समूचा देश कटनी के बारे में जान सकेगा और कटनी का नाम समूचे देश में मजबूती से उभरेगा। इस हेतु प्रतियोगिता के प्रमोशन के लिए कलेक्टर श्री प्रसाद द्वारा आयुक्त जनसंपर्क संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल को पत्र भी लिखा गया है।

रेल यात्रियों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने वाला पहला जिला बना कटनी

- कलेक्टर कटनी की अभिनव पहल पर हुआ त्रिपक्षीय समझौता
- रेडक्रॉस सोसायटी और केमिस्ट एसोसिएशन वहन करेगी यात्रियों का चिकित्सा और दवा का व्यय

फतवा समाचार ◈ कटनी

कटनी शहर के तीनों प्रमुख स्टेशन से गुजरने वाली ट्रेनों के यात्रियों को अब स्वास्थ्य खराब होने पर निशुल्क चिकित्सा और दवा की सुविधा उपलब्ध होगी। ऐसी सुविधा मुहैया कराने वाला कटनी जिला देश का पहला जिला होगा। पीड़ित मानवता की सेवा के लिए नई नई पहल करने वाले कलेक्टर कटनी की यह एक और अनुकरणीय और अनूठी पहल मंगलवार 9 मई से इन तीनों स्टेशन में साकार रूप ले लेगी। उससे पहले आज विश्व रेडक्रॉस दिवस पर स्थानीय रेल प्रशासन, जिला रेडक्रॉस सोसायटी और कटनी केमिस्ट एसोसिएशन के द्वारा इन प्रोजेक्ट के मसौदे (एमओयू) पर अपने हस्ताक्षर किए गए।

दिया गया 'फ्रेंड्स इन नीड' नाम

सोमवार को कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद की मौजूदगी में हुए इस त्रिपक्षीय समझाते को प्रोजेक्ट ष्फ्रेंड्स इन नीडष नाम दिया गया है। जिसमें प्रथम पक्ष के रूप में क्षेत्रीय प्रबंधक पश्चिम मध्य रेलवे, द्वितीय पक्ष के रूप में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी कटनी और तृतीय पक्ष के तौर पर केमिस्ट एसोसिएशन कटनी द्वारा हस्ताक्षर किए गए। एमओयू के अनुसार तीनों पक्षों द्वारा मिलकर कटनी के तीनों स्टेशन कटनी मुख्य, मुड़वारा और कटनी साउथ स्टेशन में रेल यात्रियों को चिकित्सकीय आवश्यकता पड़ने पर निशुल्क इलाज, परामर्श और दवा उपलब्ध कराई जाएगी। जिसमें डॉक्टर की फीस का भुगतान द्वितीय पक्ष रेडक्रॉस सोसायटी कटनी द्वारा और दवा की व्यवस्था का भुगतान तृतीय पक्ष केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा किया जायेगा। द्वितीय पक्ष रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा स्टेशन मास्टर कटनी स्टेशन या किसी संबंधित रेलवे अधिकारी को 25000 रुपए का अग्रिम भुगतान रोगी यात्रियों की डॉक्टर की फीस के लिए किया जाएगा और जब यह राशि पूरी तौर पर उपयोग हो चुकी होगी तब प्रथम पक्ष रेलवे की मांग पर द्वितीय पक्ष रेडक्रॉस के द्वारा 25000 रुपए का भुगतान टॉप अप के रूप में किया जाएगा। कलेक्टर अवि प्रसाद की मौजूदगी में क्षेत्रीय प्रबंधक कटनी पमरे आशीष रावलानी, डॉ यशवंत वर्मा और मौनी जैसवानी ने त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किए। इस दौरान सभापति रेडक्रॉस सोसायटी कटनी सुशील शर्मा, कटनी केमिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष रमन सेठी, मुड़वारा स्टेशन प्रबंधक संजय दुबे सहित रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यों की मौजूदगी रही।

ऋण स्वीकृति में सकारात्मक रूख अपनाएं बैंकर्स : डॉ. सलोनी सिडाना

- डीएलसीसी की बैठक में कलेक्टर के निर्देश

फतवा समाचार ◈ मंडला/जबलपुर:

डीएलसीसी की बैठक में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि स्वरोजगार संबंधी योजनाओं को बैंक अधिकारी पूरी गंभीरता से लें तथा लक्ष्य के अनुसार उपलब्धि हासिल करने के लिए रणनीति बनाकर कार्य करें। ऋण प्रकरणों की स्वीकृति में सकारात्मक रूख अपनाते हुए समय-सीमा में नियमानुसार स्वीकृति प्रदान करें। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत रानी बाटड, अपर कलेक्टर मीना मसराम, एसीईओ एसएस मरावी, प्रबंधक नाबार्ड देवव्रत पाल, एलडीएम सुजेन कुमार सहित संबंधित अधिकारी तथा बैंकर्स उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि स्वरोजगार प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें। जो भी प्रकरण निरस्त किये जाते हैं उसमें कारण स्पष्ट दशाएं। डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि जिन किसानों के केसीसी का नवीनीकरण नहीं हुआ है उन्हें चिन्हित करें तथा जनसेवा अभियान के दौरान उनके नवीनीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में केनरा बैंक से प्रतिनिधि उपस्थित नहीं होने पर कलेक्टर ने अप्रसन्नता पत्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में एसएचजी क्रेडिट लिंकेज, पथ विक्रेता, उद्यम क्रांति, स्वनिधि, बिरसामुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्यामामा स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री सृजन कार्यक्रम आदि योजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

15 मई तक पूर्ण करें आधार तथा डीबीटी लिंकेज

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत पंजीकृत महिलाओं के आधार तथा डीबीटी लिंकेज की कार्यवाही 15 मई 2023 तक पूर्ण करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि योजना के प्रत्येक चरण के लिए समय-सीमा निर्धारित है। अतः आधार तथा डीबीटी लिंकेज के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करें। कलेक्टर ने बैंक सुविधा विहीन ग्रामों की महिलाओं को मोबिलाईज करने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

शहर के सौन्दर्यीकरण में सहभागी बनें बैंकर्स

बैठक में उपस्थित बैंक अधिकारियों को कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 की जानकारी देते हुए शहर के सौन्दर्यीकरण में सहभागी बनने का आव्हान किया। कलेक्टर ने कहा कि सभी बैंक अधिकारी अपनी स्वेच्छा अनुसार शहर के चौराहे का चयन कर सौन्दर्यीकरण, वॉल पेंटिंग आदि का कार्य कराएं। इस संबंध में डॉ. सलोनी सिडाना ने एडीएम मीना मसराम तथा एलडीएम सुजेन कुमार को सभी बैंकों से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जुनवानी हॉस्टल में पीड़ित छात्राओं से राष्ट्रीय बाल आयोग अध्यक्ष ने की मुलाकात, दिया कार्रवाई का आश्वासन

फतवा समाचार ◈ डिंडौरी

डिंडोरी जिले में विगत दिनों जुनवानी छात्रावास और स्कूल में अध्ययनरत छात्राओं के साथ यौन शोषण/ उत्पीड़न का मामला सामने आया था जिसके बाद जिला प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए हॉस्टल प्रबंधन से जुड़े आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। मामले में सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक दलों के दबाव के चलते कार्यवाही करते हुए 4 लोगों को आरोपी बनाया गया था जिसमें एक आरोपी को पकड़ा गया था और तीन आरोपी फरार हो गए। घटनाक्रम कुछ इस तरह हुआ कि पूछताछ के नाम पर पकड़े गए आरोपी को भी पुलिस थाने से छोड़ दिया गया जिसके बाद छात्रों के अभिभावकों सहित सामाजिक संगठनों में आक्रोश बढ़ गया और मामले से जुड़े सभी लोगों पर सख्ती से कार्रवाई करने का दबाव प्रशासन पर बढ़ गया।

यह है मामला : बता दें कि बाल संरक्षण आयोग की टीम की शिकायत पर हुई कार्रवाई के बाद आरोपियों के साथ सांठगांठ के आरोप भी पुलिस प्रशासन पर लगे जिसके बाद मामले को संज्ञान में लेते हुए बाल संरक्षण आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो को भी विजिट करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 7 मार्च को राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो जेडीएस स्कूल जुनवानी पहुंचे जहां उन्होंने पीड़ित छात्राओं से मुलाकात की।

जिला टॉस्कफोर्स की बैठक संपन्न

दुलीचंद मार्को ◈ मंडला/जबलपुर

कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना की अध्यक्षता में जिला टॉस्कफोर्स की बैठक योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, वरिष्ठ वन अधिकारी, एसडीएम मंडला एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने खनिज विभाग के माध्यम से अवैध खनन पर की जाने वाली कार्यवाही, जब्ती, नीलामी आदि प्रक्रियाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले में संचालित विभिन्न खनिजों की खदानों की टेंडर प्रक्रिया, संचालन आदि के संबंध में भी विस्तार से जानकारी ली एवं जरूरी निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन को रोकने के लिए स्थापित किए जाने वाले नाकों के लिए परिवहन विभाग से भी समन्वय बनाया जाए। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने पुलिस, राजस्व तथा माईनिंग के माध्यम से की गई संयुक्त कार्यवाहियों पर चर्चा करते हुए जरूरी निर्देश दिए।

शहपुरा पुलिस ने शहपुरा नगर में किया पैदल मार्च दिया शांति का दिया संदेश

शहपुरा। पुलिस ने जनसामान्य में सामान्य सुरक्षा की भावना बनाए रखने को लेकर और अपराधियों को कड़ा संदेश देने को लेकर पूरे नगर में पैदल मार्च करते हुए शांति का संदेश दिया । गौरतलब है कि शहपुरा पुलिस ने अपराधियों को लेकर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए जनसामान्य को शांति का संदेश देते हुए शाहपुरा नगर में पैदल मार्च किया और अपराधिक गतिविधियों में लिप्त अपराधियों को कड़ा संदेश दिया कि अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । पैदल मार्च के दौरान शाहपुरा एसडीओपी मुकेश अबिंद्रा , नगर निरीक्षक अखिलेश दाहिया उप निरीक्षक आरव्ही वर्मा सहित पुलिस के जवान मौजूद रहे ।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 93 आवेदकों की समस्याएं सुनी

- पुष्पेंद्र तिवारी को इलाज के लिए पांच हजार रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई

फतवा समाचार ◈ रीवा

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आज कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने 93 आवेदकों की समस्याएं सुनी तथा उन्हें संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर समाधानकारक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान पुष्पेंद्र तिवारी को इलाज के लिए रेडक्रास से पांच हजार रुपए की सहायता राशि कलेक्टर द्वारा स्वीकृत की गई। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जनसुनवाई के दौरान गायत्री दाहिया अमवा ग्राम के निवासी ने स्वयं की भूमि में अन्य जनों द्वारा अवैध निर्माण हटाने का आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर ने तहसीलदार को आज ही मौके पर जाकर प्रकरण का निराकरण करने के निर्देश दिए। चिरहुला निवासी कुंज बिहारी के सीमांकन के आवेदन तथा प्रशांत पांडे गौरी मऊगंज के शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के आवेदन पर कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदार को तत्काल कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। बिन्नू मिश्रा महाजन टोला की मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार किए जाने एवं धीरेंद्र द्विवेदी जोन्हा जवा के राजस्व प्रकरण की कार्यवाही का पालन कराए जाने के आवेदनों पर कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को

कार्यवाही कर निराकरण कराने के निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान भीर निवासी केमला प्रसाद के सीमांकन, दिनेश शुक्ला पटना के इस्तलाबी के आवेदन, मऊगंज के त्रिवेणी प्रसाद के नक्शा तरमीम में सुधार कराए जाने के आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। पकरा गुढ़ निवासी नीलेश साकेत के मुआवजा राशि के आवेदन, कुंतेलाल मिश्रा करह नईगढ़ी के भू अर्जन के आवेदन, रविंद्र भुर्तिया देउपा त्यौंथर द्वारा उनकी आराजी में दूसरे के दर्ज नाम के सुधार कराने तथा सेमरिया के जयप्रकाश तिवारी के शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के आवेदनों को कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर तत्काल समाधान कारक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। गुढ़ निवासी मीरा जाटव एवं नष्टगवां जवा निवासी राजबहोर यादव के अवैध कब्जे हटाए जाने के आवेदनों को कलेक्टर ने कार्यवाही हेतु अधिकारियों को प्रेषित किया तथा समाधानकारक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी आवेदन पोर्टल पर दर्ज किए जाएं ताकि मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण में की गई कार्यवाही की प्रगति में यह शामिल हो सके। इस दौरान अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम हुजूर अनुराग तिवारी सहित विभागीय जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निगम क्षेत्र के प्रमुख पार्कों में ओपन जिम कराये स्थापित : अध्यक्ष नगर निगम

- सफाई कराकर कराये किटनाशक का छिड़काव:-देवेश पाण्डये

सूर्य प्रकाश त्रिपाठी ◈ सिंगरौली

नगर पालिक निगम सिंगरौली के अध्यक्ष श्री देवेश पाण्डेय के अध्यक्षता एवं नगर निगम आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह के उपस्थिति में निर्माण कार्यो सहित स्वच्छता, विद्युत के कार्यो की समीक्षा बैठक निगम सभागार में आयोजित हुई। बैठक के प्रारंभ में नगरीय क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में चल रहे निर्माण कार्यो एवं स्वीकृत नीवन निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुये निगम अध्यक्ष श्री पाण्डये के द्वारा निर्देश दिया गया कि वार्डो में चल रहे निर्माण कार्यो को गुणवत्ता पूर्ण समय सीमा में पूर्ण कराया जाये साथ ही ऐसे निर्माण कार्य जिनका वार्क आर्डर जारी किया जा चुका है उन्हे भी समय पर प्रारंभ कराये ताकि समय कार्यो को पूर्ण किया जा सके।

निगम अध्यक्ष ने शहर की साफ सफाई व्यवस्था के संबंध में चर्चा उपरांत निर्देश दिये कि जोन वार साफई दल का गठन कर विशेष सफाई अभियान चालये जिससे वर्षा के पूर्व नाले नालियो की साफ सफाई कराकर उन पर किटनाशक दवाओ का छिड़काव कराये। निगम

अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि नाले नालियो के सफाई उपरांत निकलने वाले कचरे का भी समय पर परिवहन भी सुनिश्चित करे। उन्होने नगरीय क्षेत्र के प्रमुख पार्को के रखरखाव की समीक्षा करते हुये निर्देश दिया कि पार्को की व्यवस्थति रखे साथ प्रमुख पार्को में ओपन व्यायाम शाला भी स्थापित कराये ताकि पार्को में जाने वाले नगारिक व्यायाम शाला का लाभ उठा सके। उन्होने पेयजल से संबंधित मुद्दो पर चर्चा उपरांत निर्देश दिये कि स्वीकृत किये गये हैन्डपम्पो का खनन शीघ्र प्रारंभ करे साथ बिगड़े हैन्डपंम्पो की मरंम्मत कराये ताकि वार्डो में पेयजल समस्या न होने पाये। निगम अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि शहर के प्रमुख स्थलो पर प्याउ खोले ताक नगरीय क्षेत्र में आने वाले नागरिको गर्मी के ऋृतु में सुद्ध पेयजल उपलंब्ध हो सके। बैठक के दौरान निगम में कार्यरत ऐसी कर्मी जो आउटसोर्सिग में पदस्थ है कुछ संविदाकारो के द्वारा ऐसी जानकारी प्राप्त हुई कि कार्यरत कर्मियो के पीएफ जमा नही किया जा रहा है जो अत्यन्त ही खेदजनक है ऐसे संविदाकारो को चिन्हित कर उनकी जमा राशि से कर्मचारियो का पीएफ जमा कराये। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि ऐसे संविदाकारो को ब्लैकलिस्ट भी करे एवं नियमानुसार इनके विरूद्ध कार्यवाही करे। उन्होने विद्युत व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिये कि वर्षा के पूर्व विद्युत से संबंधित चल रहे कार्यो को पूर्ण कराये साथ ही शहर की खराब पड़ी स्ट्रीट लाईटो का सुधार कराये। बैठक के दौरान नगर निगम के कार्यपालन यंत्री व्ही.पी उपाध्याय, उपायुक्त आरपी बैस, सहायक यंत्री रत्नाकर गजभिये, जेपी त्रिपाठी, दिनेश तिवारी, एस.एन द्विवेदी, प्रवीण गोस्वामी, उपयंत्री पी.के सिंह, अनुज सिंह, अलोक टीरू, शिवानी गर्ग सहित संभी जोने स्वच्छता निरीक्षक उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में समय प्रबंधन व्याख्यान कार्यक्रम

फतवा समाचार ◈ अमरपाटन

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमरपाटन में समय प्रबंधन के ऊपर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कार्यक्रम प्रभारी प्रो सतीश पाठक ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए समय प्रबंधन की सामान्य चर्चा की। इसके उपरांत मुख्य वक्ता के रूप आइक्यूएसी प्रभारी एवं समाजशास्त्र विभाग अध्यक्ष डॉक्टर एसएन मिश्र ने अपने विचार रखे जिसमे उन्होंने समय के भौतिक एवं आध्यात्मिक पहलूओं को बताते हुए आज के संदर्भ में समय प्रबंधन छात्रों एवं सभी के लिए कितना आवश्यक है के बारे में विस्तार से बताया। तदोपरांत प्राचार्य डॉक्टर एसपी सिंह ने अपने उद्बोधन में समय प्रबंधन को विभिन्न सिद्धांतों के उदाहरण द्वारा समझाते हुए इसकी उपयोगिता की चर्चा की एवं सफलता प्राप्त करने के लिए समय का सदुपयोग करने की सलाह दी। आभार डॉ सुबोध शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ श्रीकांत शुक्ला, प्रोफेसर सुमित सिंह, प्रोफेसर कुंजबिहारी नारनौरे, ग्रंथपाल पंकज सेन, प्रोफेसर अनुष्का सिंह, डॉ गणेश अग्रवाल, डॉ रश्मि पटेल, रुखसार अली, अरुणा मिश्रा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ।

मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी में सफेद बाघिन विंध्या की मौत पर्यटकों के बीच रहती थी आकर्षण का केन्द्र, बीमारी ने ली जान

श्रीधर सिंह ◈ सतना

सतना जिले के मुकुंदपुर स्थित महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव व्हाइट टाइगर सफारी में सफेद बाघिन विंध्या की मौत हो गई है। 16 साल की बाघिन विंध्या ने मंगलवार की भोर साढ़े तीन बजे अंतिम सांस ली है। निधन की खबर से रीवा, सतना और भोपाल तक शोक की लहर दौड़ गई है। सफारी प्रबंधन की मानें तो सितंबर 2022 में भी विंध्या की तबियत बिगड़ी थी। तब उसने खाना पीना छोड़ दिया था। तब मुकुंदपुर टाइगर सफारी के चिकित्सकों के इलाज करने से ठीक हो गई थी, लेकिन इस बार जब से बीमार पड़ी है। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बाद भी नहीं बचाया जा सका। मंगलवार की दोपहर राज्यमंत्री रामखेलावन पटेल, सतना सांसद

गणेश सिंह, पूर्व मंत्री एवं रीवा विधायक राजेन्द्र शुक्ल चिड़िया घर पहुंचे। इसके बाद सभी नेताओं ने विंध्या को श्रद्धांजलि देकर अंतिम विदाई दी है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले में पदस्थ रहे रक्षित निरीक्षक सत्य प्रकाश मिश्रा को समारोहपूर्वक दी विदाई

श्रीधर सिंह ◈ सतना

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले में पदस्थ रहे रक्षित निरीक्षक सत्य प्रकाश मिश्रा को समारोहपूर्वक दी विदाइ गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह चौहान पुलिस अधीक्षक श्रीमती ख्याति मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक आजाक अजय गुप्ता रक्षित निरीक्षक श्रीमती देविका सिंह बघेल सहित तीनों थानों के थाना प्रभारी सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर रक्षित निरीक्षक सत्य प्रकाश मिश्रा के कार्यों की सराहना की एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

कलेक्टर ने मूकबधिर क्रिकेट खिलाड़ियों को सौंपे क्रिकेट किट

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मूकबधिर क्रिकेट खिलाड़ियों को क्रिकेट की किट भेंट की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बेहतरीन खेल से जिले का नाम रोशन करने की अपेक्षा की। उल्लेखनीय है कि रीवा के मूकबधिर टीम के खिलाड़ी छिंदवाड़ा में आयोजित हो रही क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे हैं। कलेक्टर ने खिलाड़ियों को जीत के लिये शुभकामनाएं दी। इस दौरान अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री, एसडीएम अनुराग तिवारी, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में 49 आवेदकों के प्रकरणों की हुई सुनवाई

फतवा समाचार ◈ सतना

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जन सुनवाई में अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह एवं संयुक्त कलेक्टर सुरेश जादव तथा डिप्टी कलेक्टर गोविन्द सोनी ने जिले के विभिन्न अंचलो से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 49 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण के संबंध मे अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में कुल 49 आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, गरीबी रेखा से नाम काटने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर आवेदक जनसुनवाई में पहुंचे। अपर कलेक्टर और संयुक्त कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर समस्याओं के त्वरित निस्तारण करने के संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिले में 31 मई तक चलेगा मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का द्वितीय चरण

सतना। जिले में भी प्रदेश व्यापी अभियान मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का द्वितीय चरण 10 मई से 31 मई तक आयोजित किया जाएगा। इस अवधि में शासकीय विभागों द्वारा नागरिकों को प्रदान की जाने वाली चिन्हाकित 67 सेवाओं से संबंधित पूर्व से प्राप्त और लंबित सभी आवेदनों का शत -प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। इसके साथ ही ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय के वार्डों में आयोजित शिविरों में इन सेवाओं के लिए नए आवेदन भी लिए जाएंगे। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सभी विभाग प्रमुख अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान के क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की और गंभीरता पूर्वक अभियान का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सभी एसडीएम, सीईओ जनपद और नगरीय निकाय के सीएमओ समीक्षा बैठक से वर्चुअली जुड़े रहे। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने कहा कि अभियान के क्रियान्वयन के दो प्रमुख घटक होंगे। जिसमें पहला सभी संबंधित शासकीय विभाग इन 67 सेवाओं से संबंधित 10 मई तक के लंबित ऑनलाइन और ऑफलाइन प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक दिन की जानकारी पोर्टल पर दर्ज होगी। जबकि दूसरे घटक में सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर 15 अप्रैल 2023 तक दर्ज अपने विभाग की इन सेवाओं से संबंधित शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। यह शिकायतें पोर्टल पर प्रथक से प्रदर्शित होंगी। सीएम हेल्पलाइन की इस तरह की शिकायतों में चार प्रकार की शिकायतें प्रथक की जा सकेंगी। जिनमें निराकरण बजट संबंधी, नीतिगत कारणों, न्यायालीन कारणों लक्ष्य से अधिक आवेदन के फलस्वरूप निराकरण संभव नहीं होगा।

सिंगरौली: नल-जल योजना का काम अटका, ग्रामीण गड्ढों से पानी भरकर कर रहे हैं गुजारा

फतवा समाचार ◈ सिंगरौली

मध्यप्रदेश की उजार्धानी सिंगरौली घने जंगल, खूबसूरत प्राकृतिक सौन्दर्य व खनिज संपदा की वजह से विख्यात है। यहां की जमीन में सोने का भंडार है। भीषण गर्मी की तपिश से यहां की धरती अब सूखने लगी है। नदी-नाले और अन्य जल स्रोत सूखने लगे हैं। भीषण गर्मी में जलस्तर तेजी से नीचे पहुंच रहा है। कई गांवों में हैंडपंपों और कुओं ने जवाब दे दिया है। जिले के चांचर गांव की नदी भी लगभग सूख गई है। ऐसे में यहां के लोग नदी क्षेत्र में गड्ढे बनाकर उनसे पानी भरकर प्यास बुझा रहे हैं। इन गड्?ढों से पानी भरने के लिए भी लोगों को गांव से करीब एक किमी दूर जाना पड़ता है। मझौली गांव निवासी रामलल्लू पाल का कहना है कि गांव के करीब आधी आबादी पानी की समस्या से जूझ रही है। गांव में हैंडपंप तो है, लेकिन उसमें पानी नहीं निकल रहा है। रामलल्लू जैसी ही समस्या रामअवतार व अन्य लोगों की है। सभी प्यास बुझाने के लिए नदी के पानी का सहारा लेते हैं। सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना नल जल योजना अभी गांव में नहीं पहुंच पाई है।

कब मिलेगा लोगों को नल का जल

सिंगरौली जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के घरों तक नल से जल पहुंचने में अभी काफी समय लगेगा। जल जीवन मिशन के तहत लगभग 10 प्रतिशत ही काम पूरा हो पाया है। योजना के तहत अभी 90 प्रतिशत से अधिक काम होने हैं। जल आपूर्ति को लेकर तय की गई डेडलाइन में अब 4 माह का समय शेष है। इन चार माह में 90 फीसदी काम पूरा होना असंभव जैसा है। इस मिशन को लेकर सिंगरौली कलेक्टर अरुण परमार का दावा

सिंगरौली के कई गांवों में सूखे जलस्त्रोत

है कि तय सीमा तक सबके घरों में पानी पहुंच जाएगा। फिलहाल योजना के काम मे तेजी लाने के लिए ठेकेदार को निर्देशित किया गया है।

योजनाओं के लिए निर्धारित क्षेत्र

जल निगम जल मिशन योजना के तहत तीन योजना बैढ़न वन योजना, बैढ़न टू और गोंड देवसर योजना पर कार्य कर रहा है। बैढ़न वन योजना से सिंगरौली विकासखंड के ग्रामीण अंचल में पेयजल आपूर्ति की जाएगी। जबकि बैढ़न टू योजना से चितरंगी के क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की योजना है। इसी प्रकार गोंड देवसर योजना से देवसर विकासखंड में पेयजल आपूर्ति की जाएगी। बैढ़न वन योजना के तहत इंटेक वेल रिहंद में और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट उर्ती में बनाया जा रहा है। बैढ़न टू योजना में इंटेक वेल सोन नदी में और ट्रीटमेंट प्लांट चितरंगी में सोन नदी के ठटरा घाट में बनाया जा रहा है। इसी प्रकार गोंड देवसर योजना में इंटकवेल गोपद नदी और ट्रीटमेंट प्लांट चमारीडोल में बनाया जा रहा है।

वर्तमान में कार्य की स्थिति

- तीनों योजनाओं इंटकवेल व वाटर ट्रीटमेंट प्लांट यानी जल शोधन संयंत्र का कार्य अभी पूरा करना बाकी है।
- बैढ़न वन योजना में पूरे चिह्नित क्षेत्र में कुल १२२ टंकी बनाई जानी है, लेकिन अभी केवल २५ का काम पूरा हो पाया है।
- बैढ़न टू योजना में हर घर में नल से जल आपूर्ति के लिए कुल 77 ओवरहेड टैंक बनाए जाने हैं। अभी केवल 18 का कार्य पूरा हो सका है।
- गोंड देवसर योजना में कुल 104 ओवरहेड टैंक बनाए जाने हैं, लेकिन अभी तक केवल २२ का कार्य पूरा हो पाया है।
- अभी केवल प्लांट के नजदीकी गांवों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। दूर के गांव में शुरूआत नहीं हुई है।
- पाइप लाइन बिछाने के बाद घरों में नल कनेक्शन दिए जाने का कार्य भी अभी करना है। इसमें अभी समय कितना लगेगा कंफर्म नहीं है।

प्रदेशवासियों के जीवन को बेहतर बनाना ही मेरी जिंदगी का मकसद : मुख्यमंत्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेशवासियों के जीवन को बेहतर बनाना ही मेरी जिंदगी का मकसद है। समरस पंचायतों ने निर्विरोध पंच और सरपंच निर्वाचित कर श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है। ये पंचायतें अद्भुत हैं, इन पंचायतों में आने वाले गाँव समरस ही रहे। किसी भी गाँव का कोई मामला थाने नहीं जाए, हम आपस में ही विवादों का निराकरण कर लें। पंचायतें सामाजिक समरसता के साथ स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी उदाहरण प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री चौहान मुख्यमंत्री निवास में हुए समरस पंचायत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। बुधनी क्षेत्र की समरस पंचायतों को पुरस्कार के चेक प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री चौहान ने पंचायत पुरस्कार योजना एवं मुख्यमंत्री जन आवास योजना के 7 करोड़ 39 लाख रूपए सिंगल क्लिक से अंतरित किए। मुख्यमंत्री ने कन्या-पूजन तथा दीप प्रज्ज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। सांसद रमाकांत भार्गव, श्रीमती साधना सिंह और कार्तिकेय चौहान शामिल हुए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि समरस पंचायतों के लिये व्यवस्था की गई थी कि जिन पंचायतों में पंच-सरपंच निर्विरोध चुने जाएंगे वहाँ विकास और जन-कल्याण के लिए पुरस्कार स्वरूप अतिरिक्त राशि प्रदान की जाएगी।

ऐसी पंचायतों में जो गरीब बिना आवास के रह रहे हैं उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास भी स्वीकृत किए जाएंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि बहनों की जिंदगी बदलने में मैंने अपनी जिंदगी लगा दी है। बेटा-बेटी में होते भेद को देख कर मेरे मन में पीड़ा और वेदना रहती थी। समाज बेटियों को बोझ नहीं वरदान समझे, इसके लिए मैंने सार्वजनिक जीवन में आते ही प्रयास शुरू किए। सामूहिक विवाह से शुरू हुए इन प्रयासों में मुख्यमंत्री बनने के बाद लाड़ली लक्ष्मी और मुख्यमंत्री कन्या विवाह जैसे कई योजनाएँ लागू की गई। बहन-बेटियों की पढ़ाई और महिला सशक्तिकरण के लिए कई कदम उठाए गए। नगरीय निकायों और पंचायतों में महिला आरक्षण हो या अचल सम्पत्ति की रजिस्ट्री में महिलाओं को दी जा रही छूट का प्रावधान हो, राज्य शासन महिलाओं के कल्याण और उन्हें बराबरी का हक दिलवाने के लिए अनेक गतिविधियाँ संचालित कर रहा है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना भी इसी दिशा में एक अहम कदम है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि बुधनी क्षेत्र में सिंचाई सुविधा, रोड नेटवर्क, शिक्षा सुविधा, स्वास्थ्य सेवाओं, विद्युत आपूर्ति और औद्योगिक गतिविधियों का बहुत विस्तार हुआ है। मुख्यमंत्री चौहान ने पंचायत पुरस्कार योजना में समरस पंचायतों को पुरस्कार राशि के चेक प्रदान किए। सीहोर जिले की मढ़ावन, ससली, लावापानी, मोगराखेड़ा ग्राम पंचायतों को 15-15 लाख, बायां, बरखेड़ा, सियागहन, आमडोह, कुसुमखेड़ा ग्राम पंचायत को 12-12 लाख, तिलाड़िया, जैत, चीकली, खेरी सिलगेना, बनेटा, पीलीकलार, तालपुरा, बड़नगर, रिछाड़ियाकदीम, गिल्लौर और कोसमी को 7-7 लाख तथा ऊँचाखेड़ा, इटावाकलां, चोरसाखेड़ी, हाथीघाट, खातियाखेड़ी, पिपलानी, सीलकंठ, छापरी और बोरखेड़ी को 5-5 लाख रूपए राशि के चेक प्रदान किए गए।

पूर्वी मप्र में छाएंगे हल्के बादल, होंगी बूंदा-बांदी, दिखेगा मोचा का असर

भोपाल नप्र। समुद्री तूफान मोचा अगले दो दिन में बंगाल की खाड़ी से होते हुए बांग्लादेश की ओर बढ़ेगा। इस समुद्री तूफान के प्रभाव से प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में हल्के बादल छाने और बूंदा-बांदी जैसी गतिविधियां हो सकती हैं इसका ज्यादा असर प्रदेश पर होने की संभावना नहीं है। प्रदेश में अब गर्मी के तेवर तीखे होने लगे हैं। कल छह जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

12 जिलों में तापमान 39 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में तापमान में बढ़त का सिलसिला शुरू हो गया है, लेकिन बीच-बीच में बादलों के आते-जाते रहने से यह बढ़त धीरे-धीरे होगी। इस बीच आगामी तीन-चार दिन तक कहीं लू की स्थिति बनने के आसार नहीं है। प्रदेश में तापमान बढ़ने का क्रम शनिवार से दिख रहा है। इसके बाद रविवार को तो इंदौर में अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और यह देश में सबसे गर्म शहर बना लेकिन मंगलवार को इंदौर सहित अधिक तापमान वाले जिलों में हल्के बादलों के छाने से तापमान की बढ़त रुक गई। इंदौर में तो तापमान 3.5 डिग्री गिरकर 38.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि पूर्वी मध्यप्रदेश सहित ज्यादा तापमान वाली जगहों पर स्थानीय बादल छाने से तापमान की बढ़त रुकी है। चूंकि वातावरण में नमी ज्यादा है इसलिए स्थानीय बादल छाने और हल्की-फुल्की बूंदा-बांदी का सिलसिला जारी रहेगा। शुक्ला ने बताया कि प्रदेश पर बनी ट्रफ लाइन खत्म हो गई है, वहीं एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर और उससे लगे उत्तरी पाकिस्तान में बना हुआ है। इस विक्षोभ के असर से हिमालय के क्षेत्रों में वर्षा हो रही है, वहीं अफगानिस्तान तक आ चुका आगामी पश्चिमी विक्षोभ भी कमजोर है। ऐसे में पश्चिमी विक्षोभों असर प्रदेश में नहीं दिखाई देगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में सप्तपर्णी, करंज और इमली के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री चौहान के साथ श्री सतीश शर्मा और श्रीमती आशा शर्मा ने अपने विवाह की 26वीं वर्षगाँठ पर पौध-रोपण किया। श्री राम गोपाल मीणा और श्रीमती ज्योति मीणा ने भी अपनी विवाह वर्षगाँठ पर पौधे रोपे। गजेंद्र सिंह ने अपने जन्म-दिवस पर पौध-रोपण किया।

संक्षिप्त समाचार

एनआईए, एटीएस का ज्वाइंट ऑपरेशन, मध्यप्रदेश, हैदराबाद में रेड मार कई संदिग्ध आतंकियों को पकड़ा

भोपाल नप्र। एटीएस और एनआईए की टीम ने ज्वांइट ऑपरेशन करते हुए मध्यप्रदेश, हैदारबादख् तेलांगाना के कई शहरो में दबिश देकर हुए कट्टरपंथी इस्लामी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) के दर्जन भर से संदिग्ध आतंकियो को हिरासत में लिया है। सूत्रो के अनुसार पकड़े गये सदिंग्धो की सख्यां 16 है। खबर लिखे जाने तक मिली जानकारी के अनुसार एमपी के भोपाल और छिंदवाड़ा मे दबिश दी है। भोपाल शहर के ऐशबाग, जवाहर कॉलोनी और बाग फरहत अफजा में रेड मारते हुए टीम ने 11 सदिंग्धो, पॉच को हैदराबाद और 5 को तेलंगाना से गिरफ्तार किया है। सूत्रों की मानें तो हैदराबाद से पकड़े गये एक सदिंग्ध का नाम मोहम्मद वसीम है, जो भोपाल गैस त्रासदी एक्टिविस्ट का बेटा बताया जा रहा है। हालांकि, इस सारी कार्यवाही की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं की गई है। सूत्र बताते है कि इस ज्वाइंट ऑपरेशन की तैयारी बीते करीब तीन महीने से जारी थी। हिरासत में लिए गए सदिंग्धो के पास से संदिग्ध लिटरेचर, देश विरोधी सामग्री सहित दर्जन भर से अधिक मोबाइल फोन, नगदी और इलैक्ट्रानिक्स गैजेट्स बरामद किये गये है। इस ऑपरेशन की स्थानीय पुलिस को कोई जानकारी नहीं दी गई थी। मंगलवार सुबह धरपकड़ के बारे में जानकारी सामने आई। भोपाल पुलिस अधिकारियो का कहना है कि फिलहाल इस मामले में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। कुछ युवको के परिवार वालो ने थाने आकर बताया कि कुछ लोग खुद को पुलिसवाला बताकर उनके घर में दाखिल हुए और लड़कों को पकड़कर अपने साथ ले गए।

महाकाल मंदिर में पांच लाख भक्तों ने किए दर्शन, गर्मी की छुट्टियों के चलते बढी यहां आने वाले भक्तों की संख्या

भोपाल नप्र। प्रदेश के उज्जैन स्थित ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में तीन दिनों में करीब पांच लाख भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। शाम के समय श्री महाकाल महालोक को निहारने वाले भक्तों की संख्या भी हजारों में पहुंच गई है। भीड़ के चलते मंदिर के आसपास की होटलें फुल हैं। मंदिर प्रशासन के अनुसार गर्मी की छुट्टियों के चलते बाहर से बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंच रहे हैं। स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां लगते ही भक्त भगवान महाकाल के दर्शन तथा श्री महाकाल महालोक को देखने के लिए उज्जैन पहुंचने लगे हैं। मंदिर में प्रतिदिन दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ती जा रही है। इधर शुक्रवार से रविवार तक लगातार तीन दिन शासकीय अवकाश होने से दर्शनार्थियों की संख्या और बढ़ गई। मंदिर प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने बताया कि पहले केवल श्रावण मास के समय ही दर्शनार्थियों की इतनी संख्या होती थी। जब से महाकाल महालोक का निर्माण हुआ, लगातार भक्तों की सुख्या बढ़ रही है। वीकेंड में अतिरिक्त इंतजाम करना पड़ रहे हैं। टनल निर्माण के बावजूद दर्शनार्थियों को परिसर स्थित मंदिरों में प्रवेश दिया जा रहा है। श्रद्धालु ओंकारेश्वर महादेव, साक्षी गोपाल सहित अन्य मंदिरों में भगवान के दर्शन कर रहे हैं। मंदिरों के पुजारी प्रशासन की व्यवस्था से खुश हैं। स्कूलों में समर वैकेशन तथा वीकेंड में पर्व त्योहार की अतिरिक्त छुट्टी के कारण बीते तीन दिन में पांच लाख से अधिक भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

चंबल अंचल के 14 नर्सिंग कॉलेजों की संबद्धता समाप्त

भोपाल नप्र। नर्सिंग कॉलेजघोटाले में मेडिकल यूनिवर्सिटी ने बड़ी कार्रवाई की है। चंबल अंचल के 14 नर्सिंग कॉलेजों की संबद्धता स्थगित कर दी गई है। इसी सत्र में एडमिशन लेने वाले 602 स्टूडेंट के एनरोलमेंट को भी स्थगित कर दिया गया है। बीएससी नर्सिंग के 508 पोस्ट बेसिक नर्सिंग के 60 और 34 एमएससी नर्सिंग के छात्र है। यूनिवर्सिटी की कार्यपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। नर्सिंग कॉलेजों की सीबीआई जांच पूरी होने तक संबद्धता और एनरोलमेंट स्थगित रहेंगे। नर्सिंग कॉलेजों की सत्र 2021-22 की डुप्लीकेट फैकल्टी की भी जांच की जाएगी। यह जांच 45 दिन में पूरी की जाएगी। संबद्धता स्थगित किए गए कॉलेजों में ग्वालियर के 9, भिंड के 4 और श्योपुर का एक कॉलेज शामिल है। ग्वालियर के जय मां भगवती नर्सिंग कॉलेज, कामतानाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग, एचआईसीटी जीएनएम कॉलेज, आयुष कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मां केला देवी इंस्टीट्यूट, नागाजी इंस्टिट्यूट ऑफ़ नर्सिंग साइंस, ग्रंथम स्कूल ऑफ नर्सिंग, साइंस फ्लोरेंस नाइटेंगल स्कूल ऑफ नर्सिंग, श्री नारायण स्कूल ऑफ नर्सिंग स्कूल एंड रिसर्च, भिंड के आयुष्मान कॉलेज ऑफ नर्सिंग, श्री रामनाथ सिंह महाविद्यालय, मां कृष्णा नर्सिंग स्कूल, विवेकानंद नर्सिंग कॉलेज, श्योपुर का जेएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग शामिल हैं।

हंगामें के बाद करीब 70 मिनट बाद शुरू हुआ एग्जाम

भोपाल नप्र। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के ट्रूबा कॉलेज में छात्रों ने जमकर हंगामा किया। दरअसल, महाराष्ट्र सीईटी परीक्षा के लिए ट्रूबा कॉलेज को सेंटर बनाया गया था। सुबह 9 बजे परीक्षा शुरू होनी थी। कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि परीक्षा की कोई जानकारी नहीं थी। जिसके बाद छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद करीब 70 मिनट देरी से एग्जाम शुरू किया गया। जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र की सीईटी परीक्षा के लिए भोपाल के ट्रूबा कॉलेज को सेंटर बनाया गया था। जहां प्रदेश के अलग-अलग जिलों से बड़ी संख्या में परीक्षार्थी और परिजन सुबह 6 बजे से पहुंचे हुए थे। परीक्षार्थियों को सुबह 8:30 बजे एग्जाम सेंटर में दाखिल होना था। सुबह 9 बजे परीक्षा शुरू होनी थी। कॉलेज में प्रबंधन का कोई भी शख्स मौके पर मौजूद नहीं था। वहीं कॉलेज प्रबंधन ने कहा कि हमें परीक्षा की कोई जानकारी नहीं है। दूसरी ओर हजारों छात्र भूखे-प्यासे परेशान होते रहे। घटना की सूचना पर कलेक्टर ने तुरंत कॉलेज प्रबंधन को आदेश दिए। आदेश के बाद परीक्षा शुरू हुई। 9:40 बजे परीक्षार्थियों को एग्जाम सेंटर में प्रवेश मिला। बता दें कि महाराष्ट्र कॉलेज में एडमिशन के लिए महाराष्ट्र सीईटी की एग्जाम देना होता है। महाराष्ट्र सीईटी दिए बगैर किसी कॉलेज में एडमिशन नहीं मिलता है।

महिलाओं को 1500 और 500 में सिलेंडर देगी कांग्रेस नारी सम्मान योजना की प्रदेश स्तर से होगी निगरानी

भोपाल नप्र। अगर मप्र में कांग्रेस की सरकार बनी तो महिलाओं को 1500 रुपए नगद और 500 में सिलेंडर देगी। प्रदेश में सरकार बनने पर कांग्रेस नारी सम्मान योजना लागू करेगी। योजना की प्रदेश स्तर पर निगरानी भी की जाएगी।योजना के तहत पूरे प्रदेश में नौ मई से आवेदन भरवाए जाएंगे। इसकी शुरुआत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ छिंदवाड़ा जिले के परासिया विधानसभा क्षेत्र में महिला सम्मेलन से करेंगे।

वहीं, सभी जिला मुख्यालयों पर वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में कार्यक्रम होंगे, जिसमें योजना की जानकारी दी जाएगी। पार्टी ने निर्धारित किया है कि योजना के क्रियान्वयन की निगरानी प्रदेश कांग्रेस कमेटी करेगी। प्रतिदिन जिला इकाइयों को जमा होने वाले आवेदन पत्रों की जानकारी भेजनी होगी। प्रदेश में शिवराज सरकार ने लाड़ली बहना योजना लागू की है।

इसमें 23 वर्ष से 60 वर्ष तक की विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इसके लिए एक करोड़ 25 लाख से अधिक महिलाओं ने पंजीयन कराया है। दस जून को सरकार इनके बैंक खातों में राशि जमा कराई जाएगी। उधर, हिमाचल प्रदेश के बाद कांग्रेस ने सत्ता में आने पर मध्य प्रदेश में भी नारी सम्मान योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इसमें महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह और पांच सौ रुपये में रसोई गैस सिलिंडर दिया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ आवेदनकर्ता को वचन देंगे कि वर्ष में 18 हजार रुपये देंगे। प्रदेश कांग्रेस ने सभी जिलों को आवेदन पत्र भेज दिए हैं, जो मंगलवार से भरवाए जाएंगे। योजना में आयु बंधन नहीं रखा गया है और न ही आय पूछी गई है।

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने बताया कि योजना के क्रियान्वयन की प्रदेश कांग्रेस द्वारा निगरानी की जाएगी। हमारी योजना पर प्रदेशवासी भरोसा करेंगे, क्योंकि कमल नाथ सरकार में किसानों की कर्ज माफी, बिजली बिल आधा करने और सामाजिक सुरक्षा पेंशन दोगुनी करने जैसे वचन पूरे करने का काम किया गया था। उधर, गृह मंत्री डा.नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस की नारी सम्मान योजना को लेकर कहा कि इसका भी हश्र वैसा ही होगा, जैसा किसान कर्ज माफी का हुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लाड़ली बहना योजना वास्तविक है, जबकि कमल नाथ की आभासी। दोनों में बहुत अंतर होता है। कांग्रेस का वचन पत्र भी झूठ का पुलिंदा था, जो सबने देखा। अब काठ की हांडी दोबारा नहीं चढ़ने वाली है। उधर भोपाल में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी और दीपक जोशी, इंदौर में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, ग्वालियर में नेता प्रतिपक्ष डा.गोविंद सिंह, जबलपुर में पूर्व मंत्री तरुण भनोत, गुना में जयवर्धन सिंह सहित अन्य जिलों में वरिष्ठ नेता योजना के अंतर्गत आवेदन पत्र भरवाने की शुरुआत करेंगे।

डीएनए जांच के लंबित मामलों की संख्या में आई कमी

भोपाल नप्र। प्रदेश की विभिन्न सरकारी लैबों में डीएनए जांच के लिए लंबित सैंपलों की संख्या कमी आई है। डीएनए जांच के लिए लंबित मामलों की संख्या अब नौ हजार से नीचे आ गई है। ग्वालियर में इस वर्ष नई लैब बनने और पहले से चल रही अन्य तीन लैब की जांच क्षमता बढ़ाने से लंबित सैंपलों की संख्या कम हुई है। बीते कई वर्षों से यह आंकड़ा 10 हजार से ऊपर रहा है। इस वर्ष के अंत तक जबलपुर में एक और लैब शुरू हो जाएगी। इसके अलावा भोपाल में दूसरी लैब भी बनाई जा रही है। दोनों लैब शुरू होने से जांच में और गति आएगी। बता दें कि सैंपलों की जांच लंबित होने से न्यायालयों में चल रहे मामलों में निर्णय आने में देरी हो रही है। इस वर्ष फरवरी में रिकार्ड सात सौ से ज्यादा सैंपलों की जांच चारों लैब में हुई है। यह देश में सर्वाधिक है। डीएनए जांच के लिए लंबित सैंपलों में लगभग 85 प्रतिशत दुष्कर्म के मामलों के हैं। इस कारण सरकार की चिंता भी है कि लंबित प्रकरणों की जांच में तेजी लाई जाए। दो वर्ष पहले तक सिर्फ सागर और भोपाल की लैब चल रही थीं। अब औसतन हर माह छह सौ सैंपलों की जांच की जा रही है। इस बारे में फोरेंसिक साइंस लैब भोपाल के डायरेक्टर शशिकांत शुक्ला का कहना है कि जांच के लिए लंबित सैंपलों की संख्या नौ हजार से कम हो गई है। इस वर्ष जबलपुर की लैब भी शुरू हो जाएगी।

करोडों खर्चने के बावजूद नहीं हो सका जलाशयों का संरक्षण

बड़े तालाब को निगलता जा रहा अतिक्रमण

भोपाल नप्र। राजधानी में बीते 15 वर्षों में बड़े तालाब समेत अन्य जलाशयों के संरक्षण और संधारण के नाम पर 150 करोड़ रुपये की अधिक की राशि खर्च की जा चुकी है, लेकिन अतिक्रमण से मुक्ति नहीं मिल पाई है। विशेषज्ञों की मानें तो बड़े तालाब के 20 वर्ग किलोमीटर में स्थित कैंचमेंट क्षेत्र में 1500 से अधिक भूमाफियाओं ने कब्जा जमा रखा है, लेकिन इनके रसूख के चलते निगम अधिकारी कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। बता दें कि बड़े तालाब का जल भराव क्षेत्र 31 वर्ग किलोमीटर और कैचमेंट एरिया 361 वर्ग किलोमीटर है। इसके कैचमेंट एरिया में दो दर्जन से अधिक अवैध शादी हाल संचालित हो रहे हैं। इसके

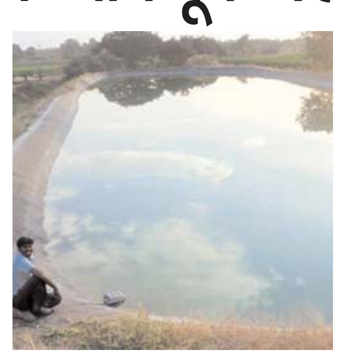

साथ ही सौ से अधिक लोगों ने अतिक्रमण कर यहां पक्के गोदाम और फार्महाउस बना लिए हैं। इनमें शहर के राजनीतिक व व्यापारिक लोगों के साथ सरकार के बड़े अधिकारी भी शामिल हैं। इनके रसूख के कारण अब तक नगर निगम भी नोटिस भेजने के अलावा कोई बड़ी कार्रवाई नहीं कर पाया। जबकि तालाब का तकरीबन 26 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र खाली हो चुका है। आसपास के लोगों के अलावा भू-माफिया ने भी मौके का फायदा उठा अवैध कब्जा कर अधिकांश हिस्से में खेती शुरू कर दी। बड़े तालाब की जद में आने वाले नाथू बरखेड़ा, वनट्री हिल्स से बैरागढ़, भदभदा से सूरज नगर और बिसनखेड़ी समेत अन्य स्थानों में बड़े-बड़े फार्म हाउस काटे जा रहे हैं। यहां पानी में ही 10 से 15 फीट ऊंचे पिलर खड़े कर दिए गए हैं।

वेटलैंड के बड़े हिस्से में कब्जा कर पक्के मकान बना लिए गए हैं। जिससे तालाब में दलदली भूमि कम होती जा रही है। जबकि यह नम भूमि को वेटलैंड का फिल्टर कहा जाता है। क्योंकि यह गंदे पानी को साफ की जमीन के अंदर पहुंचाती है। नम भूमि के खत्म होते ही वेटलैंड का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। भोज वेटलैंड और इसके आपास 210 प्रकार के पक्षियों की प्रजातियां पाई गई हैं।

अधिकारी भूमि को नीली लाइन से जोड़कर दिखाते हैं

बड़े तालाब में अवैध निर्माण को वैध करने में बड़ी भूमिका टीएनडसीपी और झील संरक्षण प्रकोष्ठ के अधिकारियों की है। जिसे बिल्डिंग परमिशन नहीं देनी होती झील संरक्षण प्रकोष्ठ के अधिकारी उसे भूमि को नीली लाइन से जोड़कर दिखाते हैं। मतलब यह भूमि तालाब के कैचमेंट क्षेत्र में है। वहीं जिसे परमिशन देनी है, उसे नक्शे में लाल लाइन के पास दिखाया जाता है, यानि कि यह जमीन कैचमेंट क्षेत्र से बाहर है। बिना भौतिक सत्यापन किए टीएडंसीपी और बिल्डिंग परमिशन इस भूमि पर भवन अनुज्ञा की स्वीकृत दे देते हैं। बता दें कि बीते 15 वर्षों में संरक्षण के नाम पर 150 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी बड़े तालाब के आसपास तेजी से अतिक्रमण बढ़ रहा है। इसके बावजूद अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इधर नए वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में भी नगर निगम ने झील संरक्षण के नाम पर नौ करोड़ रुपये का बजट जारी किया है।

मादक पदार्थों के संबंध में स्कूल-कॉलेजों में सतर्कता बढ़ाना जरूरी

नशे के कारोबार में लगे व्यक्ति सबसे घातक और खतरनाक अपराधी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई नारकोटिक्स समन्वय तंत्र की राज्य स्तरीय बैठक

भोपाल नप्र। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हमें नशा मुक्त मध्यप्रदेश बनाना है। नशे के कारोबार में लगे व्यक्ति सबसे घातक और खतरनाक अपराधी हैं। इनके विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाए। ऐसे व्यक्तियों की संपत्ति चिन्हित कर उन्हें जप्त किया जाये। नशे और उसके कारोबार पर नियंत्रण के लिए अद्यतन तकनीक का उपयोग करें। खुफिया तंत्र को सक्रिय और सुदृढ़ किया जाये तथा अन्य राज्यों में जारी बेस्ट प्रेक्टिसेज एवं नवाचारों को राज्य में लागू किया जाये।

युवा वर्ग को जागरूक करने के लिए प्रदेश में व्यापक स्तर पर जन-जागरण अभियान चलाये। स्कूल, कॉलेजों और झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाये। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में हुई नारकोटिक्स समन्वय तंत्र की राज्य स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना, नारकोटिक्स से संबंधित राष्ट्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और उद्योग विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि युवा वर्ग को नशे की लत से बचाने के लिए सघन अभियान चलाना जरूरी है। युवाओं को नशा न करने की शपथ दिलाई जाए, इसके लिए आगामी शैक्षणिक-सत्र आरंभ होने पर स्कूल, कॉलेजों में गतिविधियाँ संचालित की जाए। नशे की आदत छुड़ाने के लिए भी विशेष प्रयास करने होंगे।

नशा-मुक्त भारत अभियान में मध्यप्रदेश रहा देश में प्रथम

जानकारी दी गई कि नशा-मुक्त भारत अभियान में केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय विभाग द्वारा प्रदेश को देश में प्रथम और दतिया जिले को सर्वश्रेष्ठ जिला घोषित किया गया है। प्रदेश में वर्ष 2022 में एनडीपीएस एक्ट में 4740 अपराध पंजीबद्ध कर 5673 आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्यवाही की गई। नीमच, मंदसौर और रतलाम में अफीम पट्टों की सेटेलाइट मैपिंग की जा रही है। स्मैक, अफीम, गांजा, डोडाचूरा, हेरोइन आदि की जप्ती और विनिष्टीकरण तथा अवैध शराब और सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने, शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध की गई कार्यवाही की जानकारी भी बैठक में दी गई।

अवैध परिवहन की रोकथाम में होगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जिला खनिज प्रतिष्ठान की राशि से कराए जाने वाले कार्यों की अनुमति और स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाये कि जनहित और विकास के कार्य शीघ्र पूर्ण हो। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में जिला खनिज प्रतिष्ठान की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला खनिज प्रतिष्ठान की निधि का उपयोग जिलों में खेल, पर्यटन संबंधी सुविधाएँ विकसित करने तथा सामुदायिक महत्व और अन्य जनोपयोगी अधो-संरचना के निर्माण में भी किया जाये। खनिज साधन मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव वित्त अजीत केसरी और प्रमुख सचिव खनिज साधन निकुंज श्रीवास्तव उपस्थित थे। जानकारी दी गई कि प्रदेश में अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित मानवरहित चेक गेट स्थापित किये जायेंगे। एनजीटी ने इसकी स्वीकृति प्रदान की है। जिला खनिज प्रतिष्ठान में वर्ष 2015-16 से 2022-23 तक 05 हजार 657 करोड़ से अधिक की राशि संग्रहीत हुई है। इससे विभिन्न जिलों में परियोजना संचालित की जा रही हैं।

मुंबई ने 99 बॉल में चेज किया 200 का टारगेट

मुंबई ने अपने होमग्राउंड पर बेंगलुरु को लगातार चौथी बार हराया

मुंबई । मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के 54वें मुकाबले में रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 6 विकेट की आसान जीत हासिल की। टीम ने 200 रन का टारगेट महज 16.3 ओवर में हासिल कर लिया। मुंबई ने फ्छइ के खिलाफ अपना सबसे बड़ा रन चेज किया। बेंगलुरु ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई ने सूर्यकुमार यादव के 83 रन की बदौलत टारगेट हासिल कर लिया। यह मुंबई की वानखेड़े स्टेडियम में बेंगलुरु पर लगातार चौथी जीत है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम यहां बेंगलुरु के खिलाफ 2015 से नहीं हारी है। इस जीत से मुंबई 8वें नंबर से पांच स्थान की छलांग लगाकर पॉइंट्स टेबल में तीसरे पायदान पर आ गई है। यह मुंबई की 11 मैचों में छठी जीत है। टीम के 12 अंक हो गए हैं।

26 गेंद में सूर्या की फिफ्टी

पावरप्ले के 5वें ही ओवर में 2 विकेट गंवाने के बाद सूर्यकुमार यादव मुंबई से बैटिंग करने आए। उन्होंने नेहल वाधेरा के साथ पार्टनरशिप बनाई और 26 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। उन्होंने वाधेरा के साथ शतकीय साझेदारी की और अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचाया। उन्होंने 3 हजार क्ढछ रन भी बना लिए हैं।

सीजन फाफ डु प्लेसिस की छठी 50

बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने मुंबई के खिलाफ भी फिफ्टी जड़ी। यह उनकी इस सीजन में छठी फिफ्टी रही। उन्होंने 41 गेंद में 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 65 रन बनाए। वह टूर्नामेंट में 600 से ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप होल्डर की रेस में सबसे आगे हैं। उन्होंने बेंगलुरु के लिए पिछले सीजन 400 से ज्यादा रन बनाए थे, इस तरह वे बेंगलुरु के लिए 2 ही सीजन में 1000 से ज्यादा रन भी बना चुके हैं। शुरुआती ओवरों में विकेट गंवाने के बाद बेंगलुरु से ग्लेन मैक्सवेल चौथे नंबर पर बैटिंग करने उतरे। उन्होंने पावरप्ले में ही तेजी से रन बनाए और पारी के 10वें ओवर में 25 गेंद पर फिफ्टी भी पूरी कर ली। यह उनके करियर का 17वां और इस IPL सीजन का चौथा अर्धशतक है। मैक्सवेल 33 बॉल में 68 रन बनाकर आउट हुए। पावरप्ले के शुरुआती 3 ओवरों में ही 2 विकेट गंवाने के बाद कप्तान फाफ डु प्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल ने बेंगलुरु की पारी संभाली। दोनों ने तेजी से रन बनाए और 25 गेंद में ही फिफ्टी पार्टनरशिप कर डाली। दोनों ने 62 गेंद पर 120 रन जोड़े। मैक्सवेल 68 रन बनाकर आउट हुए और ये पार्टनरशिप टूटी।

करीबी खिलाड़ी ने किया खुलासा : माही ट्रॉफी जीतकर और एक साल खेलेंगे

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने खुलासा किया है कि धोनी ने उनसे मुलाकात के दौरान कहा था कि वह अभी एक ट्रॉफी जीतकर एक और साल खेलेंगे। धोनी ने भी अपने संन्यास की खबरों को खारिज किया है। आईपीएल 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के करियर को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। सीजन के शुरु होने से पहले यह कहा जा रहा था कि धोनी का यह लास्ट आईपीएल होगा, लेकिन हाल ही में धोनी ने यह साफ कर दिया था कि वह संन्यास नहीं ले रहे हैं। इस बीच धोनी के बेहद करीबी कहे जाने वाले सुरेश रैना ने उनके करियर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, रैना ने कहा है कि माही भाई इस साल संन्यास नहीं ले रहे हैं। जियो सिनेमा से बात करते हुए सुरेश रैना ने कहा कि 41 वर्षीय एमएस धोनी ने हाल ही में मुलाकात में उनसे कहा था कि वह अभी संन्यास नहीं ले रहे हैं, वह एक ट्रॉफी जीतेंगे और उसके बाद एक साल और खेलेंगे। रैना के इस बयान से साफ है कि धोनी इस साल संन्यास के बारे में नहीं सोच रहे हैं। वह इस साल तो खेलेंगे ही और हो सकता है कि अगले 1-2 सीजन और चेन्नई के लिए खेलें।

स्पोर्ट्स न्यूज

नडाल का फ्रेंच ओपन से बाहर होना टेनिस के लिए क्रूर होगा: फेडरर

नई दिल्ली। रोजर फेडरर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राफेल नडाल फ्रेंच ओपन के लिए समय पर ठीक हो जाएंगे और अगर 14 बार के रोलैंड गैरोस चैंपियन इस साल अनुपस्थित रहे तो यह टेनिस के लिए एक क्रूर झटका होगा। नडाल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में कूल्हे की चोट से जूझ रहे हैं, और इस हफ्ते के इटैलियन ओपन से बाहर निकलने के बाद स्पेन के पेरिस ग्रैंड स्लैम को याद करने का डर है। नडाल ने पिछले हफ्ते मैड्रिड ओपन छोड़ दिया और इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे कार्लो और बार्सिलोना में भी टूनामेंट से चूक गए। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने रविवार को फॉमूर्ला वन के मियामी ग्रैंड प्रिक्स में स्काई स्पोर्ट्स को बताया, यह क्रूर होगा, अगर राफा नहीं होगा तो टेनिस के लिए यह कठिन होगा। मुझे अभी भी उम्मीद है, मैंने देखा कि वह रोम से बाहर निकल गया है, इसलिए मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं। के माध्यम से भी, फेडरर ने कहा, नडाल ने 2005 में पेरिस में अपने पुरुषों के रिकॉर्ड 22 प्रमुख खिताब जीतने के बाद से हर साल फ्रेंच ओपन में प्रतिस्पर्धा की है। क्लेकोर्ट प्रमुख 28 मई से शुरू होता है।

मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप: सचिन सिवाच प्री-क्वार्टर में पहुंचे

ताशकंद (उज्बेकिस्तान)। भारत के लिए मिला-जुला दिन रहा, सचिन सिवाच (54 किग्रा) ने सोमवार को मोल्दोवा के सर्गेई नोवाक को हराकर आईबीए मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालाँकि, साथी भारतीय मुक्केबाज नवीन कुमार और गोविंद साहनी के लिए यात्रा समाप्त हो गई क्योंकि वे प्रतियोगिता से बाहर होने के लिए मैचडे 8 पर अपने संबंधित मुकाबले हार गए। वह दिन सिवाच का था क्योंकि उन्होंने पोडियम पर फिनिश करने की अपनी संभावनाओं को बनाए रखने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। सिवाच ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी पर 5-0 का सर्वसम्मत निर्णय दर्ज किया। 2021 वर्ल्ड यूथ चैंपियन ने आक्रामक शुरूआत की और पहले राउंड में अपने बचाव को कभी कम नहीं होने दिया। सिवाच ने दूसरे दौर में भी इसी रणनीति के साथ जारी रखा। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी पर ताबड़तोड़ मुक्के बरसाए। सिवाच तीसरे और अंतिम दौर में सटीक हिट के साथ नोवाच पर छा गया और सभी जजों का फैसला उसके पक्ष में प्राप्त किया। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि सिवाच अब मंगलवार को प्री-क्वार्टर में शीर्ष वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान के मखमुद सबिरखान से भिड़ेगा। दूसरी ओर, नवीन कुमार (92 किग्रा) को स्पेन के एमैनुएल रेयेस के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाज को पहले राउंड में लय में आने में मुश्किल हुई और वह दूसरे राउंड में भी अपने पैर नहीं जमा सके। नवीन ने अंतिम दौर में खेल में वापस आने के लिए बहुत कोशिश की लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और भारतीय मुक्केबाज बाउट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। गोविंद साहनी (48 किग्रा) को भी जॉर्जिया के शीर्ष वरीय सखिल अलखवरदोवी के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाज अपने पैर नहीं जमा पा रहे थे और जॉर्जियाई मुक्केबाज उनके लिए बहुत तेज थे। पूरे बाउट के दौरान उन्होंने गोविंद को दूर रखा। दीपक (51 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा) और आकाश सांगवान (67 किग्रा) मंगलवार को अपने-अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरेंगे। दीपक (51 किग्रा) का सामना चीन के जियामाओ झांग से होगा जबकि निशांत देव का सामना फलस्तीन के निदाल फोकाहा से होगा। आकाश सांगवान कजाकिस्तान के दुलत बेकबाउव के खिलाफ खेलेंगे।

प्लेयर ऑफ द ईयर 2022 अवार्ड जीतने पर हार्दिक सिंह ने कहा-मेरी मेहनत रंग लाई

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने मार्च 2023 में नई दिल्ली में आयोजित 5वें हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार 2022 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवार्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर 2022 जीतकर एक बार फिर साबित कर दिया कि लगातार कड़ी मेहनत सफलता की ओर ले जाती है। हॉकी इंडिया द्वारा शुरू की गई एक पॉडकास्ट श्रृंखला हॉकी ते चर्चा के नवीनतम एपिसोड में, ओलंपिक पदक विजेता और अनुभवी हार्दिक सिंह ने प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने के बारे में बात की साथ ही उन्होंने एफआईएच ओडिशा हॉकी मेन्स वर्ल्ड कप 2023 से बाहर होने के बारे में भी खुलकर बात की और बताया कि आज वह जहां हैं, वहां पहुंचने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। हार्दिक ने कहा, ₹मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कभी यह पुरस्कार जीतूंगा, लेकिन मैं यह जानता हूं कि मैं पिछले तीन से चार सालों से कड़ी मेहनत कर रहा था और मेरी मेहनत रंग लाई। यह पुरस्कार यह भी सुनिश्चित करता है कि अच्छा खेलने से देशवासियों द्वारा सराहना भी मिलती है। हार्दिक ने यह भी याद किया कि कैसे उन्होंने 2019 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले

मनप्रीत सिंह को देखकर पुरस्कार जीतने का सपना देखा था।

उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि एक दिन मुझे यह पुरस्कार मिलेगा। इसलिए, मैं हर दिन कड़ी मेहनत कर रहा था और फिर टोक्यो 2020 ओलंपिक आया, जो मेरे लिए यह साबित करने का एक बड़ा अवसर था कि टीम में मेरी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। 24 वर्षीय ने यह भी कहा कि इस तरह के पुरस्कार खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में हॉकी इंडिया और जूरी की सराहना करता हूं, जिन्होंने सोचा कि मैं प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड प्राप्त करने में सक्षम हूं। इसके अलावा, मुझे लगता है कि ये पुरस्कार वरिष्ठ और साथ ही जूनियर खिलाड़ियों को प्रेरित करते हैं क्योंकि हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने की भूख होती है और इससे आपको बेहतर और बेहतर होने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, धनराज पिल्ले, गुरबक्स सिंह और हरचरण सिंह जैसे हॉकी के दिग्गजों की उपस्थिति में पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि थी और यह मुझे एक खिलाड़ी के रूप में सुधार करते रहने के लिए प्रेरित करता है।

टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले टीम इंडिया के तीन खिलाड़ी चोटिल

नई दिल्ली । टेस्ट चैंपियनशिप का दूसरा फाइनल भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है। टीम इंडिया लगातार दूसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची है। हालांकि, भारतीय टीम खिताबी जंग से पहले परेशानी में फंसी हुई है। भारतीय टेस्ट टीम के तीन अहम खिलाड़ी चोटिल हैं। इनमें लोकेश राहुल, जयदेव उनादकट और उमेश यादव शामिल हैं। इन तीनों खिलाड़ियों की चोट पर बीसीसीआई ने अपडेट दिया है।

राहुल की जगह किशन को मौका: लोकेश राहुल की चोट को लेकर बीसीसीआई ने अपनी मीडिया रिलीज में बताया एक मई को लखनऊ सुपरजाएंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच टाटा आईपीएल 2023 के 43वें मैच के दौरान फील्डिंग करते हुए केएल राहुल की दाहिनी जांघ में चोट लग गई थी। विशेषज्ञों से परामर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया है कि राहुल जल्द से जल्द सर्जरी करवाएंगे और इसके लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बाहर हो गए हैं। राहुल की जगह ईशान किशन को भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

उनादकट के खेलने पर अभी फैसला नहीं: जयदेव उनादकट की चोट पर बीसीसीआई ने कहा ₹जयदेव उनादकट का पैर नेट्स में गेंदबाजी करते समय रस्सी में फंस गया था और गिरने से उनके बाएं कंधे में चोट लग गई। उनकी चोट पर विशेषज्ञ से परामर्श मांगा गया है और बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज वर्तमान में बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में है और अपने कंधे के लिए स्ट्रेंथ और रिहैब सत्र से गुजर रहा है। टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेंगे उमेश: उमेश यादव की चोट पर बीसीसीआई ने लिखा ₹उमेश यादव को 26 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच टाटा आईपीएल 2023 के 36वें मैच के दौरान बाएं पैर में हैमस्ट्रिंग की मामूली समस्या हुई है। तेज गेंदबाज वर्तमान में केकेआर मेडिकल टीम की देखरेख में है और उसने अपनी रिहैब प्रक्रिया के तहत कम तीव्रता वाली गेंदबाजी शुरू कर दी है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम केकेआर की मेडिकल टीम के नियमित संपर्क में है और उमेश की प्रगति पर करीब से नजर रख रही है।

टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, अजिंक्य रहाणे, केएस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, जयदेव उनादकट, ईशान किशन (विकेटकीपर)।

सामाजिक सुरक्षा योजनाएं वंचितों को वित्तीय जोखिमों से देती हैं सुरक्षा: सीतारमण

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का मकसद विशेष रूप से वंचितों को जरूरी वित्तीय सेवाएं मुहैया कराना है। सीतारमण ने सामाजिक सुरक्षा योजनाएं वंचित वर्ग को जोखिम, नुकसान और वित्तीय अनिश्चितता से बचाती हैं। वित्त मंत्री ने मंगलवार को तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की 8वीं वर्षगांठ के अवसर पर ये बात कही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की यह तीनों योजनाएं नागरिकों की भलाई के लिए हैं, जो अप्रत्याशित घटना और वित्तीय अनिश्चितताओं की स्थिति में सुरक्षा देती हैं। सीतारमण ने तीन योजनाओं के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 26 अप्रैल 2023 तक पीएमजेजेबीवाई के तहत 16.2 करोड़, पीएमएसबीवाई के तहत 34.2 करोड़ और एपीवाई के तहत 5.2 करोड़ नामांकन किए गए हैं। पीएमजेजेबीवाई के बारे में वित्त मंत्री ने कहा कि इसने 6.64 लाख परिवारों को महत्वपूर्ण सहायता दी है और उन्हें कुल 13,290 करोड़ रुपये की राशि दी गई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी सपाट हुए बंद

नई दिल्ली। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच सपाट बंद हुए। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान ज्यादातर समय फायदे में रहा, लेकिन अंत में ऊपरी स्तर से फिसलकर 300 अंक नीचे बंद हुआ है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 2.92 अंक लुढ़कर 61,761.33 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी महज 1.55 अंक की बढ़त के साथ 18,265.95 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोर रुख के बीच हाल की तेजी के बावजूद निवेशकों ने मुनाफावसूली को तरजीह दी। कारोबार के अंत में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में बढ़त और सिर्फ 11 शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स की कंपनियों में आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, पावरग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

बेंगलुरु में बनेगा आईफोन बनाने का प्लांट

फॉक्सकॉन ग्रुप ने 303 करोड़ में खरीदी जमीन

बेंगलुरु । एपल इंक के पार्टनर फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने सोमवार को बेंगलुरु एयरपोर्ट के पास देवनहल्ली एरिया में 13 मिलियन स्क्वायर फुट (1.2 मिलियन स्क्वायर मीटर) जमीन खरीद ली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फॉक्सकॉन की सब्सिडियरी होन हाई टेक्नोलॉजी इंडिया मेगा डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने लंदन स्टॉक एक्सचेंज को इस बात की जानकारी दी है।

कंपनी ने 37 मिलियन डॉलर यानी 303 करोड़ रुपए में बेंगलुरु में यह जमीन खरीदी है। इस जमीन पर फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप एक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बनाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्लांट में कंपनी पार्ट्स बनाने के साथ एपल के हैंडसेट भी असेंबल करेगी। फॉक्सकॉन अपनी इस साइट को नए इलेक्ट्रिक व्हीकल बिजनेस के लिए कुछ पार्ट्स का प्रोडक्शन करने के लिए भी यूज कर सकती है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में पहले बताया गया था कि फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप ने लोकल प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए भारत में एक नए प्लांट पर करीब 700 मिलियन डॉलर (करीब 5.7 हजार करोड़ रुपए) का निवेश करने का प्लान बनाया है। अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने के कारण चीन से एपल की मैन्युफैक्चरिंग भारत में शिफ्ट की जा रही है। जियो पॉलिटिकल टेंशन और कोरोना महामारी के बाद एपल समेत अन्य अमेरिकी टेक दिग्गज भी चीन के बाहर अपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के विस्तार पर काम कर रहे हैं। भारत में इस प्लांट के बनने से लगभग 1 लाख जॉब्स क्रिएट होने की उम्मीद है। चीन के झेंग्झौ में कंपनी के विशाल आईफोन असैंबली कॉम्प्लेक्स में इस समय लगभग 200,000 कर्मचारी काम करते हैं। हालांकि, पीक प्रोडक्शन सीजन के दौरान यह संख्या बढ़ जाती है। भारत में फॉक्सकॉन का ये इन्वेस्टमेंट अब तक का उसका यहां सबसे बड़ा सिंगल इन्वेस्टमेंट है। एपल ने 2017 में आईफोन रए के साथ भारत में आईफोन्स की मैन्युफैक्चरिंग शुरू की थी। इसके तीन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस (एटर) पार्टनर-फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन है। आईफोन रए के बाद भारत में आईफोन 11, आईफोन 12 और आईफोन 13 की मैन्युफैक्चरिंग भी की गई। फॉक्सकॉन का प्लांट चेन्नई के पास श्रीपेरंबदूर में है। एपल के तीनों कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर भारत सरकार की 41,000 करोड़ रुपए की प्रोडक्शन-लिंक्ड इन्सेंटिव स्कीम (ढछक) का हिस्सा हैं। इस स्कीम के बाद ही भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग में तेजी आई है।

देशप्रेम, स्वाभिमान और पराक्रम से भरी आपकी वीर गाथाएं देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी:हिमांशु तिवारी

नारेन्द्र शर्मा ◈ उमरिया

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा बस्तियों में जाकर बच्चों के साथ मनाई जयंती। युवाओं ने अपने अप्रतिम साहस, शौर्य और युद्ध कौशल से मां भारती को गौरवान्वित करने वाले महान योद्धा वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर उनकी चित्र पटल में माला अर्पण कर व आम का पौधारोपण कर उन्हें कोटिशःनमन किया। टीम लीडर हिमांशु तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती के उपलक्ष पर एक पौधारोपण कर उन्हें कोटि नमन किया गया। उन्होंने कहा कि कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने जीवन के संघर्ष किया । उन्होने जंगल में घास की रोटी खा कर भी मुगलों की अधिनता स्वीकार नहीं की ।महाराणा प्रताप के जीवन से सीख लेकर अपने होसले व मेहनत से कार्य करने की सीख दी ।महाराणा प्रताप का व्यक्तित्व एवं कृतित्व हमें मातृ भूमि की सेवा करने की प्रेरणा प्रदान करता है ।महाराणा प्रताप लोगों के हृदय पर राज करते थे। राष्ट्र के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। इस दौरान हिमांशु तिवारी, खुशी सेन, माया सिंह, राहुल चंद्रवंशी, जनसेवा मित्र स्वाति दुबे पुष्पराज कोल एवं सभी उपस्थित।

कलेक्टर की पहल पर विक्षिप्त महिला को उसके परिजनों तक सुरक्षित पहुँचाया गया

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

महिला बाल विकास विभाग के लोगों ने की मदद

मिड वे ट्रीट, किरर घाट राजेन्द्रग्राम के पास एक विक्षिप्त महिला असामान्य स्थिति में भटकती देखी गयी थी। जिसकी सूचना कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ को दी गयी। श्री वशिष्ठ ने इसे तत्काल संज्ञान में लेते हुए महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी विनोद परस्ते को इस बावत निर्देश दिये। प्रशासन की पहल पर महिला की पहचान की गयी और सूचना प्राप्त हुई है कि उक्त महिला लपटी (थाना राजेन्द्रग्राम) की है। जानकारी मिलने पर उसके परिजन अभी-अभी आ कर उसे ले गये हैं। इस मामले में मिड वे ट्रीट राजेन्द्रग्राम के संचालक और उनके कर्मचारियों ने महिला को भोजन करवा कर उसे आवश्यक कपडे प्रदान करते हुए प्रशासन की मदद मिलने तक उसकी सुरक्षा बनाए रखी। जिला प्रशासन की पहल पर उक्त महिला को समय रहते मदद मिल पाई और वह सुरक्षित अपने परिजनों के पास पहुंच गयी है।

कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर में डीएम ने धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश किया जारी

अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री आशीष वशिष्ठ ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अंतर्गत कार्यालय कलेक्टर परिसर अनूपपुर में जुलूस, आम सभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के आए दिन उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित एवं परिशांति भंग होने की संभावना को देखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कलेक्टर कार्यालय के परिसर में ध्वनि विस्तार यंत्र पर रोक लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन अथवा कोई भी आंदोलनकारी व्यक्ति इस परिसर में प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि विस्तार यंत्र का उपयोग कलेक्ट्रेट परिसर एवं उससे लगे हुए 100 मीटर की परिधि में प्रतिबंधित किया गया है। ज्ञापन सौंपे जाने के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार (मेन गेट) पर ही शांतिपूर्ण ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए व्यक्ति, संगठन कार्यकताओं द्वारा अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कोई भी दल, संगठन, आंदोलनकारी व्यक्ति, जुलूस, आमसभा या नारेबाजी, ज्ञापन आदि सौंपे जाने से 3 दिन पूर्व अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर से विधिवत लिखित में अनुमति प्राप्त करेगा और निर्धारित स्थल पर ही उक्त गतिविधियां करेंगे। आदेश में उल्लेखित किया गया है कि आदेश की तामीली सम्यक समय एवं पक्षों को करना संभव न होने के कारण एकपक्षीय रूप से तामील के निर्देश दिए गए हैं। आदेश का उल्लंघन किए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा-188 के अंतर्गत अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश 2 माह तक की अवधि के लिए प्रभावशील किया गया है।

जनसुनवाई कार्यक्रम में 80 आवेदकों ने प्रस्तुत किए आवेदन

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित अधिकारियों द्वारा की गई सुनवाई

जनसुनवाई कार्यक्रम में आम जन की समस्याओं के निराकरण के तहत मंगलवार को 80 लोगों ने अपने आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई कार्यक्रम में आम जनों से सीधे रू-ब-रू होकर अपर कलेक्टर श्री जे.पी. धुर्वे, संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत तिर्की, डिप्टी कलेक्टर श्री दीपक पाण्डेय तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने समस्याएं सुनीं तथा उनके आवेदन प्राप्त करते हुए निराकरण की पहल सुनिश्चित की। इस दौरान वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर आवेदकों की समस्याओं के त्वरित निदान हेतु निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि आम जन की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार को राज्य शासन के दिशानिर्देशानुसार जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें जिलेभर के आवेदक अपनी समस्याओं को आवेदन के साथ प्रस्तुत करते हैं। ग्राम अमगवां थाना जैतहरी की मुन्नी बाई गोंड़ ने राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि दिलाए जाने, आईटीआई जैतहरी के स्थाई कर्मी विजय कुमार बैगा ने नियमितीकरण करने, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम अहिरगवां पिपरहाटोला निवासी संतराम बैगा ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने, जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत क्योंटार की सरपंच रामरती ने जैतहरी से महुदा होकर धुरवासिन तक की टूटी सड़क को शीघ्र बनवाए जाने, ग्राम जमुड़ी थाना अनूपपुर के कमलेश सिंह गोंड़ ने पुत्री के शा. उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूल के प्रवेश परीक्षा में उपस्थित रहने के बाद भी अनुपस्थित दर्शाए जाने के संबंध में, जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत लपटी के ग्रामीणों ने सड़क एवं यात्री प्रतीक्षालय अतिक्रमणमुक्त कराने, ग्राम पंचायत लपटी के ही ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन अंतर्गत बनाए गए टंकी को चालू कर पेयजल प्रदान किए जाने के संबंध में आवेदन दिए।

शहडोल में ब्यौहारी व देंवलोद पुलिस ने दो कार समेत गांजा किया जब्त

फतवा समाचार ◈ शहडोल

जिले मे गांजा की तस्करी करते दो तस्करो को ब्यौहारी और देवलोंद पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से 60 किलो गांजा समेत दो कार जब्त की गई है। इनमें एक कार में गांजा परिवहन किया जा रहा था और दूसरी पुलिस की निगरानी के लिए पायलटिंग के रूप मे उपयोग की जा रही थी।

दोनों कार समेत गांजा जब्त किया गया है। इसकी कुल कीमत लगभग 20 लाख आंकी जा रही है। आरोपितों में एक की पहचान रवि पटेल निवासी ग्राम करौंदिया थाना देवलोंद के रूप मे हुई है जबकि दूसरा आरोपित गुप्ता नाम का युवक है , जो कि रीवा जिले का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ मे गांजा ग्राम करौंदिया निवासी राजीव पटेल से खरीदकर लाए जाने की जानकारी मिली है। बहरहाल देवलोंद थाने मे आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गयी है। देवलोंद के गांव करौंदिया में लंबे समय से गांजे की खेफ आ रही है, और वही से गांजा तस्कर गांजा लेकर यूपी रीवा सतना व अन्य जिलों के लिए रवाना हो जाते हैं। इस बार वरिष्ठ अधिकारियों के कड़े निर्देश के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की गई। करौंदीया गांव से गांजे की खेप निकलती है। थाना प्रभारी ज्ञान दत्त तिवारी को मामले की पूरी जानकारी ग्रामीणों के द्वारा दी जाती थी, लेकिन नजरअंदाज कर दिया जाता था। ग्रामीणों ने गांजा तस्करी की जानकारी पुलिस के बड़े अधिकारियों को दी और अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। मंगलवार व बुधवार की दरमियानी रात ब्यौहारी व देवलोंद पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए 60 किलो गांजे के साथ दो आरोपितों को पकड़ने में सफलता हासिल की है।

रीवा जिले में बने 119 उपार्जन केन्द्र : 9551 किसानों से हुई 478477 क्विंटल गेहूं की खरीदी, 16343 कृषकों के स्लॉट बुक

फतवा समाचार ◈ रीवा

रीवा जिले के उपार्जन केन्द्रों में रबी सीजन के फसलों की खरीदी जारी है। किसानों से गेहूं खरीदी के लिए जिलेभर में 119 केन्द्र बनाए गए है। जिसमे पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर गेंहू की बारी-बारी से खरीदी की जा रही है। 8 मई तक 9551 किसानों से 478477 क्विंटल गेहूं उपार्जन केन्द्र आ चुका है। किसानों द्वारा विक्रय किए गए गेहूं के लिए 9432.75 लाख रुपए की राशि मंजूर की गयी है। जो किसानों के खाते में सीधे भेजी जा रही है। 119 केन्द्रों में खरीदे गए गेहूं में 409861 क्विंटल का परिवहन कर भण्डारण कराया जा चुका है। बेमौसम बारिश को लेकर खरीदी केन्द्र के प्रभारियों को अलर्ट किया गया है। हालांकि जिले के कई खरीदी केन्द्र बेयर हाउस में बने है। वहीं ओपन जगहों पर हो रही खरीदारी को लेकर तिरपाल आदि की पहले से व्यवस्था बनाने के निर्देश है। जिला आपूर्ति नियंत्रक ओपी पाण्डेय ने बताया कि अब तक 16343 किसानों ने गेंहू उपार्जन के लिए स्लॉट बुक किये हैं। खरीदी केन्द्रों में गेंहू उपार्जन के लिए वारदाने, तौल कांटे और अन्य प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

उप सरपंच एवं ग्रामीणों ने बांध कार्य निमार्ण में अनियमितता की कमिश्नर से की शिकायत

फतवा समाचार ◈ शहडोल

कमिश्नर ने अधीक्षण यंत्री जल संसाधन को शिकायत की जांच कर आज ही प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के दिये निर्देश

कमिश्नर कार्यालय शहडोल में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा को जनपद पंचायत बुढार की ग्राम पंचायत बिजुरी के उप सरपंच एवं ग्रामीणों ने आवेदन करते हुए बताया कि ग्राम पंचायत बिजुरी के चपरी नाले में बांध निर्माण का कार्य किया जा रहा है, पूर्व में बांध का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका था किन्तु उसी स्थल पर सिंचाई विभाग के एसडीओ, सब इंजीनियर एवं पूर्व उप सरपंच के साथ साठ-गाठ कर मस्टर रोल में काम न करने वालों लोगों के नाम दर्ज कर 2021-23 की अवधि में फर्जी नाम दर्ज कर राशि का आहरण किया गया है। उप सरपंच एवं ग्रामीणों का कहना था कि इस शिकायत की जांच की जाए और शासकीय राशि का दुरूपयोग करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। उप सरपंच एवं ग्रामीणों की शिकायत पर कमिश्नर शहडोल संभाग श्री राजीव शर्मा ने अधीक्षण यंत्री जल संसाधन से वस्तुस्थिति की जानकारी ली तथा अधीक्षण यंत्री को निर्देश दिये कि वे आज ही मौका मुआयना करें और शिकायत की जांच कर प्रतिवेदन आज शाम को ही प्रस्तुत करें ताकि दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा सकें। जनसुनवाई में अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ तहसील के ग्राम पंचायत कुम्हानी के रामप्रसाद यादव ने आवेदन करते हुए कमिश्नर को बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, आवास स्वीकृत हुआ था इस योजना के तहत घर बनाने के लिये उन्हें पहले 10 हजार रुपए की राशि दी गई दूसरी बार 10 हजार रुपए की राशि दी गई। इस राशि से मेरे द्वारा आवास का निर्माण करना प्रारंभ कर दिया गया था बाद में किसी भी प्रकार की राशि नही दी गई जिसके कारण मेरा आवास अधूरा ही रह गया है। ग्रामीण रामप्रसाद यादव का कहना था कि पॉच साल गुजर जाने के बाद भी मुझे तीसरी राशि की किश्त नही मिली है। ग्राम पंचायत के सचिव से जानकारी लेने पर वह टाल मटोल करता है। श्री यादव ने कमिश्नर से आवास निर्माण के लिये शेष किश्त की मांग की। जिस पर कमिश्नर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुष्पराजगढ से वस्तुस्थिति की जानकारी दूरभाष पर ली तथा षिकायत की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देष दिये। जनसुनवाई में बिसाहूलाल ग्राम असवारी जिला शहडोल निवासी ने कमिश्नर को बताया कि मुझे संबल योजना के तहत सहायता राशि प्रदान नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि संबल योजना के तहत दो लाख रूप्ये की सहायता राशि के लिये आवेदन के साथ समस्त डाक्युमेन्ट सहित जनपद पंचायत गोहपारु मे जमा किया हूँ। जो आज दिनांक तक राशि प्राप्त नही हुआ है। मुझे जनपद पंचायत गोहपारु के चक्कर लगाते दो वर्ष गुजर गये लेकिन आज तक मुझे संबल योजना के तहत राशि प्राप्त नही हुई है । उनका कहना था कि मुझे संबल योजना के तहत राशि दिलाई जाए। जिस पर कमिश्नर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहडोल की ओर आवेदन प्रेषित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ तहसील के ग्राम पंचायत खमरौध के श्री गणपत सिंह ने आवेदन देकर बताया कि मेरा नाम बीपीएल सूची से हटा दिया गया है, जिससे मुझे काफी परेशानी हो रही है उनका कहना था कि मेरा नाम बीपीएल सूची में जुडवाया जाए। जिस पर कमिश्नर ने प्रकरण की जांच कर तहसीलदार पुष्पराजगढ को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

अपर कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं

फतवा समाचार ◈ शहडोल

अपर कलेक्टर अर्पित वर्मा ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित जनसुनवाई में दूरदराज से आए हुए लोगों की समस्याएं सुनी तथा समस्याओं के निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर को ज्ञानेंद्र कुमार सोनी ग्राम करूआ पोस्ट असवारी ने आवेदन देते हुए बताया कि मैं और मेरी पत्नी दोनों शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं और हमारे दो छोटे-छोटे बच्चे हैं हमारी आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब है जिस कारण बच्चों का लालन पालन नहीं हो पा रहा है इस हेतु उन्होंने आर्थिक मदद की मांग की। जिस पर अपर कलेक्टर ने जिला रेड क्रॉस सोसाइटी से ?4000 रूपए की आर्थिक मदद तत्काल सचिव रेड क्रॉस सोसाइटी से दिलाई। इसी प्रकार शहडोल नगर के बलपुरवा न्यू बस स्टैंड के पास के निवासियों ने अपर कलेक्टर को आवेदन करते हुए बताया कि न्यू बस स्टैंड बल पुरवा को स्थापित हुए लगभग 20 वर्ष से अधिक हो चुके हैं एवं उक्त बस स्टैंड में निर्मित भवन की यथा समय देख-रेख नगर पालिका द्वारा कभी भी नहीं की गई इसलिए वर्तमान समय में भवन की छत जर्जर स्थिति तक पहुंच गई और आए दिन लोगों के सिर पर या कहीं भी अकस्मात गिर सकती है जिससे कभी भी भविष्य में कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकता है। उन्होंने कहा कि छत मरम्मत एवं सड़क की साफ-सफाई, पानी बहाव इत्यादि भी समय-समय पर नहीं हो रहा है। उन्होंने साफ सफाई की भी मांग की। जिस पर अपर कलेक्टर ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहडोल की ओर आवेदन भेजकर निर्देशित किया कि तत्काल मौका मुआयना कर साफ सफाई अन्य व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम खांडा तेलीयान टोला विकासखंड बुढार के निवासी श्याम दास पिता मोहन विश्वकर्मा ने अपर कलेक्टर को आवेदन करते हुए बताया कि मैं बृज अत्यंत गरीब हूं तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करता हूं। उन्होंने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा मेरा राशन कार्ड जारी किया गया था जिससे मैं पूर्व में राशन प्राप्त कर रहा था, किंतु वर्तमान समय में उपरोक्त राशन कार्ड से राशन प्रदाय नहीं किया जा रहा है ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव द्वारा कहा जा रहा है कि इस कार्ड से राशन नहीं मिलेगा।

सिंगरौली : भाभी ने ननद के साथ की आत्महत्या

सिंगरौली। सिंगरौली जिले में एक विवाहित महिला ने ननद के साथ फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। ननद शादी के बाद पहली बार मायके आई थी। उसके बाद ननद-भाभी घर से लापता हो गए। परिवार वालों को तीन दिन बाद जंगल में पेड़ पर शव लटका मिला। मामला सिंगरौली जिले के बरका चौकी क्षेत्र के पठारीदह गांव का है। भाभी कौशल्या सिंह छल्लू सिंह (30) और ननद कौशल्या सिंह पति कौशल सिंह (20) बीते साल अप्रैल में शादी हुई थी। शादी के बाद वह पहली बार मायके पठारीदह गांव में आई थी। उसके बाद वह भाभी कौशल्या सिंह के साथ घर से लापता हो गई। परिजनों को तीन दिन के बाद शव जंगल के पेड़ में लटकता हुआ मिला। दोनों ने एक ही रस्सी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सिंगरौली उप पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने कहा कि बरका चौकी के पठारीदह गांव में एक साथ एक ही रस्सी से दो महिलाओं ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है ।प्रारंभिक जांच में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। शरीर मे किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं। फांसी क्यों लगाई कारण अभी ज्ञात नही हो सका है। फिलहाल पुलिस हर एक एंगल से जांच कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715